CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-309
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 11 फरवरी 2024

पेज-04

आज का विचार

सबसे उत्तम तीर्थ अपना मन हैं
जो विशेष रूप से शुद्ध किया हो

- स्वामी शंकराचार्य

कौन है अब्दुल मलिक

जिसे बताया जा रहा हल्द्वानी में बवाल का मास्टमाइंड

घटना के बाद से अंडरग्राउंड... यूपी तक दबिश शुरू

हल्द्वानी। पुलिस ने बनभूलपुरा बवाल का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक को माना है। इसके विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने, जमीन कब्जाने, लोगों को भड़काने, साजिश रचने समेत कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी की गई है। पुलिस का मानना है कि अब्दुल मलिक ने वर्षों पहले सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से मदरसा व नमाजस्थल बनाया, जिसे तोड़ने के दौरान गुरुवार को बनभूलपुरा में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उपद्रव किया। मलिक का बगीचा बनभूलपुरा का चर्चित क्षेत्र है। अब्दुल मलिक ही इसका मालिक बताया जाता है। यहां पर बगीचा तो अब नहीं रहा, लेकिन जमीन पर कब्जा हो गया। नगर निगम ने करीब आठ महीने पहले बनभूलपुरा स्थित मलिक के बगीचे में अतिक्रमण तोड़ा था। इसके बाद दोबारा यहां नहीं गई। अतिक्रमणकारी ने यहां पर दो छोटे-छोटे प्लाट बनाकर बेच दिए। एक मकान तक खड़ा हो गया। 28 दिसंबर को अतिक्रमण की शिकायत किसी ने सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह से की। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट ने नगर आयुक्त को अवगत कराया। इसके बाद 28 दिसंबर को सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट के नेतृत्व में टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने पूर्व में तोड़े गए अतिक्रमण को पूरी तरह से नष्ट कर जमींदोज कर दिया था। इसके बाद नमाजस्थल व मदरसा को तोड़ने की तैयारी की। इससे पहले कई दौर की बैठकें चलीं और प्लानिंग हुई। मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा। गुरुवार की शाम को प्रशासन, नगर निगम व पुलिस की टीम मदरसा व नमाजस्थल को तोड़ने के लिए पहुंची थी, तभी पहले महिलाओं ने विरोध किया। इसके बाद चारों तरफ से पथराव शुरू हो गया था। रात में जगह-जगह आगजनी भी हुई।

गिरफ्तारी के लिए उप्र तक दबिश

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के अनुसार, अब्दुल मलिक ने सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य किया, जिसे तोड़ने के दौरान बवाल हुआ। इसलिए मलिक को मास्टरमाइंड बनाया है। जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, उसी आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। मलिक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश देना शुरू कर दिया है। दो टीमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दबिश दे रही हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी अब से कुछ देर में पहुंचेंगे झाबुआ

मप्र में चुनाव प्रचार का करेंगे आगाज...

विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

झाबुआ। मध्य प्रदेश के लिए रविवार का दिन बेहद अहम है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां मप्र में लोकसभा चुनाव के प्रचार की शुरुआत करेंगे वहीं जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करने के साथ ही राय को सात हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। कार्यक्रम में रायपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। पीएम के आगमन से पहले लोक कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर मोदी के बड़े कट आउट लगाए गए हैं। मंच सजकर तैयार है।

पौने दो लाख महिलाओं के खातों में अंतरित होगी आहार अनुदान की राशि

पीएम मोदी आहार अनुदान योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया परिवार की महिलाओं के खातों में आहार अनुदान की मासिक किस्त अंतरित करेंगे। इसके साथ ही स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को अधिकार अभिलेख वितरण, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 559 गांवों में विभिन्न गतिविधियों के लिए 55.9 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

इन योजनाओं का शिलान्यास- लोकार्पण

पीएम मोदी झाबुआ में सीएम राइज स्कूल, धार और रतलाम के 1000 से अधिक गांवों के लिए पेयजल आपूर्ति की तलवाड़ा परियोजना, अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) 2.0 के तहत 14 शहरी जलापूर्ति योजनाओं की आधारशिला रखेंगे। झाबुआ की 50 ग्राम पंचायतों के लिए नल-जल योजना, इंदौर-देवास-उजैन सी केबिन रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना लोकार्पित करेंगे। इटारसी-यार्ड रीमाडलिंग के साथ उत्तर-दक्षिण ग्रेड सेपरेटर और बरखेड़ा-बुदनी-इटारसी को जोड़ने वाली तीसरी लाइन सहित 3,275 करोड़ से अधिक की कई सड़क विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जीती थीं प्रदेश की एसटी के लिए सुरक्षित सभी छह सीटें

उल्लेखनीय है कि अप्रैल-मई में लोकसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रदेश में एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित सभी छह सीटें भाजपा ने जीती थीं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इन क्षेत्रों में बढ़त बनाई। मप्र की राजनीति में आदिवासी मतदाताओं का खासा महत्व है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की तरफ हुआ और उसने एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित 47 सीटों में से 30 जीती थीं। प्रधानमंत्री के इस दौरे से भाजपा प्रदेश के आदिवासी समीकरणों को साधना चाहती है। इसे ध्यान में रखते हुए सारी तैयारियां की गई हैं। प्रधानमंत्री का स्वागत आदिवासी परंपरा के अनुसार किया जाएगा।

मुंबई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को उड़ाने की धमकी

ईमेल भेजने वाले ने खुद को अमेरिकी नागरिक बताया

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को बम से उड़ाने की धमकी मिली। मुंबई पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 3.50 बजे rkgtrading|||@gamil.com के आईडी से ईमेल मिला है। मेल भेजने वाले ने खुद को अमेरिकी नागरिक होने का दावा किया। उसने कहा कि वह अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के ऑफिस को उड़ा देगा। साथ ही वहां काम करने वाले सभी अमेरिकी लोगों को भी मार देगा। घटना के बाद मुंबई की बांद्रा कुर्ला पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ FIR दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि IPS की धारा 505(1)(बी) और 506(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है। पिछले साल 26 दिसंबर को दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित इजराइली एम्बेसी के पास लो इंटेंसिटी के दो धमाके हुए थे। जांच के दौरान पता चला कि धमाका एम्बेसी से 260 मीटर नंदास हाउस के गेट नंबर -4 पर हुआ था और इस जगह पर कोई CCTV कैमरा नहीं लगा था।

प्रमोद कृष्णम 6 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

पार्टी के खिलाफ बयानबाजी को लेकर कार्रवाई

2 फरवरी को मोदी से मिले थे

नई दिल्ली कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पार्टी के बड़े नेता और कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार (10 फरवरी) को एक बयान जारी इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा कि अनुशासनहीनता और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयान देने की शिकायतों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रमोद कृष्णम को तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हाल ही में प्रमोद कृष्णम ने अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की जमकर तारीफ की थी। वे 22 जनवरी को अयोध्या भी गए थे। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग न लेने पर कांग्रेस की आलोचना की थी। 2 फरवरी को मोदी से की थी मुलाकात

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने 2 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात भी की थी। उन्होंने 19 फरवरी को मोदी को कल्कि धाम के शिलान्यास कार्यक्रम में आने का न्योता दिया था। प्रमोद कृष्णम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - पर मोदी के साथ अपनी फोटो शेयर की थी। इसके बाद वे 6 फरवरी को योगी से मिले और उन्हें भी कल्कि धाम आने का न्योता दिया। प्रमोद ने कहा- भगवान राम सबके हैं, मैं भगवान राम का हूं। मैं सभी को कल्कि धाम आने का निमंत्रण दे रहा हूं। मैंने यह न्योता राहुल गांधी और सोनिया गांधी को भी दिया है, अब वो आएं या न आएं उनकी मर्जी।

कौन हैं आचार्य प्रमोद कृष्णम?

आचार्य प्रमोद कृष्णम का जन्म 4 जनवरी 1965 को संभल के गांव एंचोड़ा कम्बोह में हुआ था। वह ब्राह्मण परिवार से संबंध रखते हैं। प्रमोद कृष्णम की गिनती यूपी में कांग्रेस के बड़े नेताओं में होती है। वह दो बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं।

हरियाणा के 7 ज़िलों में आज इंटरनेट बंद, धारा 144 हुई लागू

13 फरवरी को किसानों के दिल्ली कूच से पहले फैसला

नई दिल्ली आज एक बार फिर से पंजाब के किसान दिल्ली की तरफ जा रहे हैं और पंजाब और हरियाणा में इसी को लेकर कड़ी सुरक्षा की गई है 7 इंटरनेट पर कोई गलत जानकारी शेयर न हो इस लिए हरियाणा के 7 ज़िलों में आज इंटरनेट पूरी तरह से बंद कर दिया है और राज्य के कई ज़िलों में धरा 144 भी लागू कर दी है 7 आइये नीचे खबर में डिटेल से जानते हैं पूरा मामला हरियाणा सरकार ने राज्य के 7 जिलों में 3 दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क SMS बंद कर दिया है। यह फैसला पंजाब और हरियाणा के किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली कूच को देखते हुए लिया गया है। इंटरनेट पर पाबंदी का फैसला अंबाला, हिसार, कुरूक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद और डबवाली समेत सिरसा में लागू

होगा। यह रोक 11 फरवरी की सुबह 6 बजे से 13 फरवरी की रात 11.59 बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान ब्रॉडबैंड और लीज लाइन का इंटरनेट चलता रहेगा। इसके पीछे हरियाणा सरकार ने तर्क दिया कि CID के ADGP ने किसानों की तरफ से मार्च और प्रदर्शन की कॉल दी गई है। इससे तनाव, पब्लिक प्रॉपर्टी डैमेज और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका है। इस दौरान इंटरनेट के जरिए भ्रामक जानकारी सर्कुलेट की जा सकती है। सोशल मीडिया फेसबुक, वॉट्सऐप, ट्विटर, SMS आदि के जरिए ऐसा न हो, इसलिए इंटरनेट बंद करने का फैसला लिया गया है। हरियाणा के अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, सोनीपत, झज्जर, सिरसा, फतेहबाद, जींद, रोहतक व पंचकूला में धारा-144 लागू की गई है। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM), गैर राजनीतिक और किसान मजदूर मोर्चा समेत 26 किसान संगठनों ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया है।

छिंदवाड़ा आएंगे कमलनाथ

तीन फरवरी को सांसद नकुलनाथ के साथ पहुंचेंगे, संगठन की लेंगे बैठक

छिंदवाड़ा लगभग डेढ़ महीने बाद पूर्व सीएम कमलनाथ अपने गढ़ छिंदवाड़ा में तीन फरवरी को पहुंचेंगे। चार दिन के प्रवास पर कमलनाथ के साथ उनके बेटे नकुलनाथ भी रहेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले कमलनाथ का यह दौरा अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, तीन फरवरी को सुबह 10.50 बजे विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर पहुचेंगे। यहां से वे ईमलीखेड़ा स्थित स्किल डेवपलमेंट सेंटर सीआईआई एवं एटीडीसी का निरीक्षण करेंगे, तत्पश्चात नेताद्वय का शिकारपुर आगमन होगा।

सौसर और पांढुर्ना में होगा आयोजन कमलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। जबकि सांसद नकुलनाथ का दोपहर 1.15 बजे ग्राम नंदेवानी एवं दोपहर 2.15 बजे ब्लॉक नांदनवाड़ी में आगमन होगा। जहां वे आयोजित आदिवासी सम्मेलन में उपस्थित होंगे। दोपहर 3.45 बजे शिकारपुर आगमन पश्चात सांसद नाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

6 फरवरी को होंगे रवाना कमलनाथ चार दिनों के प्रवास पर सांसद नकुलनाथ के साथ, चौरई जुन्नारदेव ब्लॉकों का दौरा करेंगे। इस दौरान में कांग्रेस पदाधिकारी की संगठनात्मक बैठक भी करेंगे। इसके उपरांत 6 फरवरी को सुबह 10 बजे वह भोपाल के लिए रवाना होंगे।

औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देकर उसे मरने के लिए छोड़ दिया

सीएम योगी ने शिवाजी महाराज के पराक्रम को किया याद

पुणे में गीता भक्ति अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में कई प्रतिष्ठित साधु-संत भी शामिल हुए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस में आए। सीएम योगी ने कार्यक्रम में कहा कि महाराष्ट्र वाले भाग्यशाली हैं। इन्हें संतों का आशीर्वाद सैकड़ों वर्षों से प्राप्त हो रहा है। इस दौरान उन्होंने वेदश्री तपोवन मठ में स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज से मुलाकात की।

पुणे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रविवार यानी आज महाराष्ट्र दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पुणे के वेदश्री तपोवन मठ में स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज से मुलाकात की। साथ ही, वह आलंदी जिले में आयोजित गीताभक्ति अमृत महोत्सव में भी शामिल हुए।

कार्यक्रम को सीएम योगी ने किया संबोधित- गीता भक्ति महोत्सव के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आप भाग्यशाली है कि आपको संतों का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र वाले भाग्यशाली हैं। इन संतों का आशीर्वाद आपको प्राप्त हो रहा है और ये आशीर्वाद सैकड़ों वर्षों से प्राप्त हो रहा है। भक्ति से उपजी ये शक्ति ही दुश्मनों के दांत हमेशा खट्टे करती थी।

शिवाजी महाराज ने पूरे देश में तेज को लहराया- सीएम योगी ने कहा, समर्थगुरु रामदास जी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को यहीं से पैदा किया था और छत्रपति शिवाजी महाराज ने पूरे भारत के अंदर जिस तेज को लहराया था, उस काल खंड में सोचिए, औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देते हुए, औरंगजेब को उन्होंने मरने तड़पने के लिए ऐसा छोड़ दिया कि आजतक कोई पूछ नहीं रहा है। ये अद्भुत शौर्य और पराक्रम की धरती है।

डिप्टी सीएम से की मुलाकात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने महाराष्ट्र दौरे पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत भी हुई।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

सटोरिये शरद के अड्डे पर पुलिस का छापा,11 पकड़े

इंदरगंज थाना क्षेत्र के नई सड़क इलाके में सटोरिये शरद के अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा। उसके यहां पर्ची पर सट्टा लिखने वाले दो एजेंट सहित ग्यारह लोगों को पकड़ा गया है। सटोरिया शरद पुलिस के हाथ नहीं लगा। कई लोग भाग भी गए। एसएसपी राजेश सिंह चंदेल को शरद की वजह से परेशान क्षेत्रवासियों ने भी शिकायत की थी, इसके बाद क्राइम ब्रांच को पड़ताल में लगाया गया।क्राइम ब्रांच की टीम का छापा पड़ते ही अफरा-तफरी मच गई। 11 लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया। इनके पास से मोबाइल भी बरामद हुए। शरद घर से गायब मिला। पकड़े गए लोगों में नासिर खान, सोनू पाल, पंकज सक्सेना, सूरज बाथम, धर्मपाल, आशीष बाथम, अरुण शाक्य, शंकरलाल शर्मा, शाहरुख खान, दयाराम, गणेश बाथम हैं। पूरे इलाके में घर-घर में फैलाया सट्टे का कारोबार, क्षेत्रवासी परेशान- शरद ने पूरे इलाके में सट्टे का कारोबार घर-घर में फैला दिया है। कई युवाओं को सट्टे की लत लग गई है। जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त अंचल के कालेजों के पास शिक्षकों की नियुक्ति और शिक्षा महाविद्यालयों की संबद्धता प्रोफार्मा जमा करने के लिए सिर्फ दो दिन ही शेष बचे हैं। जेयू ने उन्हें 12 फरवरी तक का समय दिया है। अंतिम मोहलत के दौरान भी अगर कालेज संचालक दस्तावेज जमा नहीं करते हैं तो वह संबद्धता का प्रोफार्मा जमा नहीं कर पाएंगे जिससे उनके कालेज की संबद्धता प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकेगी। हालांकि यही दावा करते हुए जेयू इन कालेजों को तीन बार मौके दे चुका है लेकिन अगर इस बार भी जेयू, कालेजों को मौका देता है तो इससे संबद्धता प्रक्रिया और प्रवेश का सत्र दोनों ही प्रभावित होंगें। विधायक की मांग पर जेयू को अधूरी जानकारी भेज रहे दतिया के कालेज दतिया विधायक राजेन्द्र भारती ने उनकी विधानसभा में संचालित होने वाले 26 प्राइवेट कालेजों की जानकारी मांगी थी। जेयू अधिकारियों ने जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिए। लेकिन पूरी जानकारी नहीं भेजी गई है। ऐसे में जेयू के अधिकारियों ने आधी-अधूरी जानकारी ही शासन को भेज दी है।

चोरी पर ड्राइवर को सिखाया नैतिकता का पाठ अपराधबोध होते ही लौटा दिया डाक्टर का बैग

शहर के डाक्टर समीर गुप्ता का बैग उन्हीं की बहन की गाड़ी में छूट गया था, जिसे गाड़ी के ड्राइवर ने अपने पास रख लिया। बैग में यूरो डालर, रुपये सहित अन्य कीमती सामान था। ड्राइवर की नीयत यह देखकर बिगड़ गई। जब डाक्टर को बैग गायब दिखा तो उन्होंने ढूंढा। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो सामने आया- बैग उन्होंने गाड़ी से निकाला ही नहीं था। इसके बाद ड्राइवर से खुद संपर्क किया तो उसने इनकार कर दिया।डाक्टर ने ग्वालियर में पदस्थ डीएसपी संतोष पटेल से मदद मांगी। डीएसपी ने ड्राइवर को सागर में अपने मित्र डीएसपी केतन अदलक से बात कर ढुंढवाया और उससे बात की। वह इनकार करता रहा, पुलिस ने डाक्टर परिवार से साइकोलाजिकल फंडा अपनाकर बात करने को कहा। डाक्टर ने बात की, आखिर ड्राइवर को अपराध बोध हुआ और सुबह बैग लौटा दिया। डाक्टर ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की है। न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों में शासन का पक्ष मजबूती से रखने को लेकर कलेक्टर अक्षय सिंह ने नोडल अधिकारियों से कहा कि शासकीय अधिवक्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर समय पर जवाब प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में राजस्व भूमि से संबंधित एवं अन्य प्रकरणों में समय पर जवाब न प्रस्तुत होने से शासन के विरुद्ध निर्णय हो जाते हैं। इसलिए प्रकरणों में नियुक्त नोडल अधिकारियों की यह जवाबदारी है कि वे शासकीय अधिवक्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर समय पर जवाब प्रस्तुत कराएं। कलेक्टर सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों और शासकीय अधिवक्ताओं की संयुक्त बैठक में यह बात कही। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं से भी अपेक्षा की कि वे संबंधित नोडल अधिकारी से निरंतर समन्वय करने के प्रयास करें। किसी भी प्रकरण में अगर कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है तो वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाए। राजस्व अधिकारियों ने भी बात रखी।

शहर में बढ़ रही स्मैक-गांजे की तस्करी, नेता से लेकर सिपाही तक नशे के तस्कर

ग्वालियर। शहर में नशे की तस्करी पर रोक लगाना मुश्किल होता दिख रहा है। लगातार बढ़ रहे नशा तस्करी के मामले अब चिंता में ड़ाल रहे हैं। शहर में नशा तस्करी किस कदर बढ़ चुकी है इसका अंदाजा जिला न्यायालय की एनडीपीएस कोर्ट में चल रहे एनडीपीएस के मामलों को देख कर लगाया जा सकता है। बीते दो वर्षों में शहर में लगभग 151 नशा तस्करी के मामले न्यायालय तक पहुंच चुके हैं। जिनमें सिर्फ 24 मामलों में सजा हुई है। जिसमें सबसे बड़ी सजा 10 साल की जेल और एक लाख के जुर्माने की है।शहर में नशे की खपत की बात करें तो सबसे ज्यादा तस्करी नशीले पदार्थ गांजे की होती है इसके बाद स्मैक की भी खेप शहर में उतारी जा रही है। मादक पदार्था बाहरी राज्यों से भी शहर में लाए जाते हैं। कमाल की बात यह है कि ऐसे मामलों में पकड़े जाने वाले तस्करों में शहर के बीजेपी नेता, बीटेक किया हुआ इंजीनियर और एक पुलिस का आरक्षक भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

अब ठंड की होगी विदाई

धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी की संभावना

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर। उत्तरी हवाओं के कारण अभी जहां हल्की ठंड का अहसास हो रहा था, वही अगले सप्ताह में सर्दियों की विदाई शुरू हो जाएगी। सप्ताह के शुरुआती दिनों में दिन में जहां हवाओं का रुख उत्तरी व उत्तरी पूर्वी होगा। वहीं दोपहर बाद हवाओं का रुख पूर्वी रहेगा। इस वजह से अगले सप्ताह में दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। दिन में अधिक ऊंचाई के हल्के बादल छाए रहेंगे। सप्ताह के शुरुआत में सुबह के समय हल्की धुंध भी दिखाई देगी। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शहर में अब ठंड का असर धीरे-धीरे कम होगा। शहरवासियों को सुबह व शाम के समय गुलाबी ठंड का अहसास होगा। दिन में धूप निकलने से दोपहर में लोगों को सर्दी से राहत मिलेगी। मौसम परिवर्तन के लिए फिलहाल कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है। इस वजह से मौसम सामान्य रहेगा। खुशनुमा मौसम होने के कारण वीकेंड पर पर्यटन स्थल पर जाने वालों के लिए भी आनंदमयी मौसम रहेगा।

सराफा चाट चौपाटी लगेगी या कहीं और शिफ्ट होगी, इस पर निगम की कमेटी लेगी निर्णय

सिटी चीफ इन्दौर

सोना-चांदी के बाजार सराफा में अग्नि सुरक्षा इंतजामों को लेकर नगर निगम की कमेटी जांच करेगी। यह कमेटी इस बाजार में रात्रिकालीन चाट चौपाटी लगेगी या अन्य किसी स्थान पर शिफ्ट होगी, इस पर निर्णय भी लेगी। सोमवार से इस कमेटी के सदस्य इस बाजार में निरीक्षण करेंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से इंदौर चांदी सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन चौपाटी हटाने की मांग कर रहा है। चौपाटी में कई खाद्य पदार्थ बनाने वाले गैस सिलेंडर का उपयोग कर सामग्री भी तैयार करते हैं। इस वजह से हरदा में हुए हादसे के बाद व्यापारी एसोसिएशन ने इस पर तुरंत निर्णय लेने की मांग की थी।कमेटी करेगी मौके का निरीक्षण व्यापारियों की इस मांग और हरदा हादसे को देखते हुए निगमायक्त हर्षिका सिंह ने सराफा बाजार चाट चौपाटी के संचालन को लेकर एक कमेटी बना दी है।। स्थल निरीक्षण करने के बाद कमेटी तय करेगी कि सराफा बाजार में चाट-चौपाटी लगना चाहिए या नहीं। कमेटी जांच करेगी कि सराफा बाजार में रात को खाने-पीने की दुकानें लगाने वाले दुकानदारों के पास अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त संसाधन है या नहीं। अगर अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त संसाधन नहीं मिले तो रखवाए जाएंगे।

महाकाल मंदिर में सुरक्षाकर्मी व युवकों के बीच विवाद

सिटी चीफ उज्जैन

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में शुक्रवार रात शयन आरती में कुछ युवक व सुरक्षाकर्मी के बीच विवाद हो गया। शनिवार को घटना का वीडियो इंटरनेट माध्यमों पर बहुप्रसारित होने के बाद मामला सामने आया। बताया जाता है युवकों ने नशा कर रखा था, इसलिए उग्र होकर सुरक्षाकर्मी से हाथापाई की। बाद में श्रद्धालुओं के समझाने पर मामला शांत हुआ।घटना शुक्रवार रात शयन आरती की है जब देवास से आए तीन श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। दर्शन करने आए यह श्रद्धालु शराब के नशे में थे। युवकों के बर्ताव के बाद सुरक्षाकर्मियों का इन पर ध्यान गया। सुरक्षाकर्मियों ने युवकों को बाहर जाने को कहा इस पर कहा सुनी हुई और युवकों ने हंगामा कर दिया। **मारपीट भी हुई** बताया जा रहा है इस दौरान मारपीट भी हुई है। घटना का वीडियो इंटरनेट माध्यमों पर बहुप्रसारित होने के बाद महाकाल थाना पुलिस हरकत में आई है और मामला जांच में लिया। मंदिर प्रशासन भी वीडियो फुटेज के आधार पर घटना की तस्दीक कर रहा है। मंदिर प्रशासक ने कही ये बात मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया वीडियो फुटेज देखने के बाद दोनों पक्षों की जांच की जाएगी इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई होगी। इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। यह मंदिर की आचरण संहिता तथा अन्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर मामला है।

सरकारी कदमों से गेहूं में खरीदी थमी दाम घटने से किसान माल लेकर लौट रहे

सिटी चीफ इन्दौर

गेहूं में स्टाक सीमा आधी करने के बाद अब मंडियों में दाम तो घट ही रहे हैं, लेवाली भी अटकने लगी है। शनिवार को छावनी किसानी और व्यापारी मंडी में करीब 2800 बोरी गेहूं की आवक हुई। नए गेहूं की क्वालिटी कमजोर आ रही है। ऐसे में खरीदार दाम घटाकर बोल रहे हैं। 2600 से 2650 नया गेहूं मांगा जा रहा है, जबकि किसान 3000 रुपये की अपेक्षा कर रहे हैं।दलाल हीरालाल अगीवाल के अनुसार, क्वालिटी कमजोर होने से लेवाल बच रहे हैं। किसान कम दाम पर देने से इनकार कर रहे हैं। बिना बेचे माल वापस जा रहे हैं। मिल वालों में स्टाक लिमिट का भी डर है। इसकी वजह से भी खरीदी अटक रही है। शनिवार को मंडी में मिल क्वालिटी गेहूं 2500-2525, पूर्णा 2800-2825 , लोकवन 3000-3050, मालवराज 2500-2525 और मक्का 2275 से 2300 रुपये क्विंटल बिकी। काबुली चने में घरेलू मांग के साथ ही निर्यातकों की अच्छी पूछताछ आने के कारण काबुली चने में जोरदार तेजी देखने को मिली है। शनिवार को काबुली चना कंटेनर में करीब 500-600 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया। व्यापारियों का कहना है कि मौसम में उतार-चढ़ाव की वजह से काबुली चने की आवक में देरी हो रही है। जबकि अच्छी क्वालिटी के काबुली की बाजार में शार्टेज बनी हुई है। मार्च मध्य से पहले काबुली चने में मंदी के आसार कुछ कम नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर पश्चिमी कनाडा की मंडियों में काबुली चना का भाव पिछले 8-10 दिनों से एक निश्चित सीमा में स्थिर बना हुआ है। हालांकि सरकारी एजेंसी स्टैट्स कैन ने 2023-24 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन के दौरान काबुली चना की कुल उपलब्धता में गिरावट आने की संभावना जताई है। मगर व्यापारी एवं निर्यातक इससे सहमत नहीं है। इधर, भारत में भी काबुली चना के नए माल की आवक जल्द ही आरंभ होने वाली है। कंटेनर में डॉलर चना बढ़कर 40/42 15700, 42/44 15500, 44/46 5300, 58/60 13400, 60/62 14300, 62/64 14200 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया। दूसरी और वैवाहिक सीजन के मुहूर्त खूब होने के कारण चना से बने उत्पाद चना दाल और बेसन में मांग का दबाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है जिसके चलते मिलर्स की डिमांड चने में एकाएक बढ़ गई है जबकि मंडियों में चने की आवक बेहद कमजोर दर्ज की गई। दरअसल, अमावस्या की छुट्टी के बाद शनिवार को मंडी खुली और रविवार को फिर मंडी बंद होने के कारण किसान माल नहीं लाए है जिससे बाजार में चने की शार्टेज देखने को मिली है। इससे चने की तेजी को बल मिला है। इंदौर में चना कांटा 100 रुपये उछलकर 6100-6150, विशाल 6050, नया विशाल 5850-6000, डंकी 5600-5800 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। चना दाल में भी अच्छी पूछताछ रहने से भाव मजबूत बोले गए। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परविर्तन नहीं रहा। दलहन के दाम - चना कांटा 6100-6150, विशाल 6050, नया विशाल 5850-6000, डंकी 5600-5800, मसूर 5950, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10100-10300, कर्नाटक 10200-10400, निमाड़ी तुवर 9000-9900, मूंग 9000-9300, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9500, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल। दालों के दाम - चना दाल 7700-7800, मीडियम 7900-8000, बेस्ट 8100-8200, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 12300-12400, मीडियम 13300-13400, बेस्ट 14400-14500, ए. बेस्ट 15400-15500, ब्रांडेड तुवर दाल नई 15500, उड़द दाल 10900-11000, बेस्ट 11100-11200, उड़द मोगर 11400-11500, बेस्ट 11600-11700 रुपये क्विंटल। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिबार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

आत्मनिर्भर बनने ननि ने तैयार किए दो प्रस्ताव, मिल सकेंगे सस्ते मकान-दुकान

सिटी चीफ ग्वालियर

बजट की कमी से जूझ रहे नगर निगम ने राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आत्मनिर्भर बनने के लिए दो बड़ी परियोजनाएं मंजूरी के लिए मेयर इन काउंसिल के पास भेजी हैं, इनमें हुरावली में 23 बीघा जमीन पर कामर्शियल काम्प्लेक्स और फ्लैट की योजना शामिल है। इससे नगर निगम को 95 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध राजस्व प्राप्त हो सकेगा, इसके अलावा मानपुर सागरताल पर खाली पड़ी निगम स्वामित्व की जमीन पर मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत फ्लैट, प्लाट और डुप्लेक्स तैयार करने का प्लान भी भेजा गया है। यहां पहले से प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट बने हुए हैं। उनके ठीक पास में ही इस आवासीय योजना को तैयार करने का प्लान है। इन दोनों परियोजनाओं से निगम को 108 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकेगा।हुरावली स्थित 23 बीघा जमीन को गत वर्ष उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय ने नगर निगम के स्वामित्व की माना है। जमीन का मालिकाना हक वापिस मिलने के बाद नगर निगम ने यहां आवासीय व कामर्शियल काम्प्लेक्स बनाने की योजना तैयार की है। निगम द्वारा 15 मंजिला इमारतें बनाने की तैयारी की गई हैं, इसमें ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर और सेकंड फ्लोर पर कामर्शियल संपत्तियां बेची जाएंगी। तलघर में 157 कारें खड़ी करने की भी व्यवस्था होगी। इसे मालनुमा तैयार किया जाएगा, जहां मल्टीप्लेक्स सहित शोरूम के भी प्रविधान किए जाएंगे। बाकी के 12 फ्लोर पर 40 ईडब्ल्यूएस, 32 एलआइजी फ्लैट के अलावा दो तरह के 225 टू बीएचके फ्लैट बनाए जाएंगे। थ्री बीएचके के 150 और 3.5 बीएचके के 120 फ्लैट तैयार किए जाएंगे। आवासीय फ्लैटों के लिए 500 कारों की पार्किंग तैयार की जाएगी। इस परियोजना में नगर निगम की कुल अनुमानित लागत 238 करोड़ 53 लाख 12 हजार 344 रुपये आएगी, जबकि इनकी बिक्री से कुल आय 331 करोड़ 8 लाख 78 हजार 450 रुपये होगी। इस प्रकार निगम को 95 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध राजस्व मिलेगा। सागरताल पर तैयार की गई नई परियोजना से भी नगर निगम को साढ़े 15 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकेगा। यहां पीएम आवास योजना के पास खाली पड़ी जमीन पर थ्री बीएचके के 80, टू बीएचके के 160 और वन बीएचके के 80 फ्लैट तैयार करने की योजना बनाई है, इसके अलावा 140 वर्गमीटर एरिया में क्लब हाउस एरिया के साथ ही तलघर और भूतल पर पार्किंग का प्रविधान किया गया है। यहां 101 दुकानें भी बनाई जाएंगी, जिनकी नीलामी से राजस्व कमाया जाएगा। प्रारंभिक तौर पर फ्लैटों की कीमत आठ से 30 लाख रुपये रखने का विचार किया गया है। इस परियोजना में नगर निगम 63.76 करोड़ रुपये खर्च करेगा, जबकि 79.25 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। इन दोनों परियोजनाओं में बुकिंग की राशि मिलने के बाद ही निगम काम कराएगा, जिसके कारण स्वयं का कोई पैसा खर्च नहीं होगा। खाली खजाने के कारण कटौती जारी वर्तमान में नगर निगम का खजाना खाली है। राज्य सरकार से कई मदों में अनुदान की राशि नहीं मिली है। ऐसे में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी निकायों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि ग्वालियर नगर निगम में इस समय खर्चों में कटौती की जा रही है। डीजल से लेकर वाहन और फोटो कापी मशीन तक की बचत की जा रही है।

रजिस्टर में लिखें आरटीआइ से जुड़ी जानकारी

सिटी चीफ ग्वालियर

जब भी आरटीआइ लगाई जाती है तो अमूमन इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता। यह एक गंभीर विषय है। सभी थाना प्रभारी एक-एक रजिस्टर रखें, जिसमें उनके कार्यालय में लगने वाली आरटीआइ के संबंध में सारी जनकारी अपडेट रखें। पुलिस विभाग सीधे आरटीआइ एक्ट से जुड़ा हुआ है। सभी को प्रयास करना चाहिए, जो आरटीआइ लगा रहा है, उसे आपकी दी जानकारी से पूर्णत: संतुष्टि हो।यह बात शनिवार को राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने सूचना का अधिकार प्रावधानों के विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान पुलिस कंट्रोल रूम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों से कही। सूचना आयुक्त ने कहा- कई बार सूचना देने में त्रुटि का नुकसान आपको ही उठाना पड़ता है, इसलिए इसे गंभीरता से लेना चाहिए। आरटीआइ के अलग-अलग प्रावधानों से पुलिस अधिकारियों को अवगत करवाया गया। एसएसपी राजेश सिंह चंदेल ने कहा- आरटीआइ एक महत्वपूर्ण विषय है। आरटीआइ कानून व्यवस्था को पारदर्शी बनाता है। कई बार ड्यूटी में व्यस्तता के चलते आरटीआइ संबंधी मामलों में त्रुटि कर जाते हैं। इसमें हमें सुधार जाने की जरूरत है। कार्यशाला के दौरान एएसपी ऋषिकेष मीणा, एएसपी निरंजन शर्मा, एएसपी गजेंद्र सिंह वर्धमान, एएसपी अखिलेश रैनवाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत रत्न दिए जाने के उपलक्ष्य में 11 फरवरी रविवार को आभार कार्यक्रम व सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से बाल भवन में होगा। पवन कुमार सेन ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के सामाजिक न्याय व दिव्यांग जनकल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल, विशिष्ट अतिथि भाजपा मप्र के प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर उपस्थित रहेंगे।

पुनर्विकास कार्य में खामियां देख डीआरएम ने जताई नाराजगी

सिटी चीफ ग्वालियर

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक रविंद्र गोयल के सोमवार को प्रस्तावित ग्वालियर के दौरा कार्यक्रम से पहले शनिवार को झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दीपक कुमार सिन्हा ने स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बारीकी से पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और छोटी-छोटी खामियां देखकर नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर लगाए गए बेरीकेड की ऊंचाई कम होने पर उन्होंने किसी यात्री के चोटिल होने की संभावना जताई, तो वहीं शौचालयों में गंदगी मिलने पर वे नाराज हुए।डीआरएम सिन्हा शनिवार को सड़क मार्ग से ग्वालियर पहुंचे। यहां उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि केपीसी कंपनी के कर्मचारी छोटे-छोटे टीनशेड लगाकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कंपनी के अधिकाारियों से कहा आपने हरा कपड़ा और छोटे-छोटे टीन शेड लगा रखा हैं। अगर अंदर से कोई पत्थर का टुकड़ा उछलकर गुजरने वाली ट्रेन या फिर यात्री को लगा, तो वह चोटिल हो सकता है। इन बेरीकेड की ऊंचाई बढ़ाई जाए। इनकी ऊंचाई इतनी होनी चाहिए कि बाहर मौजूद व्यक्ति को कुछ दिखाई नहीं दे। यहां पर कोई हादसा हो जाएगा तो काम करने में भी आपको दिक्कत आएगी। प्लेटफार्म क्रमांक चार के जनरल टिकट काउंटर के शौचालयों में गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और स्थानीय अधिकारियों से पूछा कि यह इतने गंदे क्यों हैं। इस पर अधिकारियों ने कहा कि यहां रोज सफाई की जाती है। इस पर डीआरएम ने कहा कि अगर रोज सफाई होती है, तो इसे ढंग से रगड़कर साफ करो। वहीं उन्होंने सीवर को लेकर कहा कि सीवर नहीं बहना चाहिए। इसके लिए चैंबरों की नियमित सफाई कराएं। निरीक्षण के दौरान केपीसी कंपनी के अधिकारियों ने डीआरएम को बताया कि प्लेटफार्म एक पर बने रैंप को तोड़ना होगा, क्योंकि यहां कानकोर्स का फाउंडेशन तैयार किया जाएगा। इस पर डीआरएम ने पूछा कि अगर रैंप टूटेगा, तो दिव्यांग व बुजुर्ग कैसे जाएंगे। क्या कोई अन्य रैंप यहां है। इस पर कंपनी की ओर से बताया गया कि रैंप नहीं, बल्कि लिफ्ट और एस्कलेटर हैं। इस पर डीआरएम ने इलेक्ट्रिक सेक्शन के अधिकारियों से कहा कि लिफ्ट और एस्कलेटर किसी भी हालत में खराब या बंद नहीं होने चाहिए। इसके अलावा रात के समय काम चलने की स्थिति में मलबे को हटाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे यात्रियों को आवागमन में समस्या का सामना न करना पड़े।

हर जिले में होगी दुग्ध जांच की चलित प्रयोगशाला, तुरंत मिलेगी रिपोर्ट

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। बाजार में बिकने वाला दूध शुद्ध है या नही, इसकी जांच करने के लिए प्रदेश के हर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग के पास एडवांस्ड मिल्कोमीटर होगा। इस उपकरण को अगले माह के पहले सप्ताह में प्रत्येक जिले को उपलब्ध कराए जाने की योजना है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है।दरअसल, अभी भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) द्वारा प्रदेश के 15 जिलों में खाद्य चलित प्रयोगशाला की सौगात दी गई है, जिसमें पुराने मिल्कोमीटर लगे हैं। अब इनको नए एडवांस्ड मिल्कोमीटर से अपडेट किया जाएगा। वहीं प्रदेश में आने वाली 40 नवीन चलित प्रयोगशालाओं में पहले से एडवांस्ड मिल्कोमीटर लगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पुरानी चलित प्रयोगशालाओं में लगे मिल्कोमीटर में चार-पांच

जांच ही हो पाती थी। अब एडवांस्ड उपकरण से दूध से जुड़ी 35 तरह की जांच आसानी से हो सकेंगी। इतना ही नहीं, दुग्ध जांच की रिपोर्ट भी दो-तीन मिनट में मिल जाएगी। **तीन माह पहले दिया था प्रशिक्षण** दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग के अधिकारियों को तीन माह पहले मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था। विशेषज्ञों की मानें तो दूध की जांच करने की मशीन जिले में उपलबध होने पर प्राथमिक स्तर पर जांच कर कार्रवाई करने में आसानी होगी। सैंपल की प्राथमिक जांच में गड़बड़ी मिलने पर त्वरित कार्रवाई भी की जा सकेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे से सीधी बात प्रश्न ः नए उपकरण आने से क्या फायदा होगा? उत्तरः इससे दूध और अन्य खाद्य सामाग्री की आसानी से जांच हो सकेगी। प्रश्नः एक मिनट में रिपोर्ट मिल जाएगी क्या? उत्तरः नमूनों को जांच के लिए तैयार करने में समय लगता है। जो सैंपल तैयार कर मशीन में रखेंगे, उसकी रिपोर्ट करीब 3 मिनट में पूरी होगी। प्रश्नः कैसी मशीन आ रही हैं? उत्तरः प्रदेश में अभी 15 चलित खाद्य प्रयोगशाला हैं। इनमें अभी जो मिल्कोमीटर हैं, उसमें 4 से 5 तरह की जांच होती है। जबकि एडवांस्ड मशीन में 35 तरह की जांच होगी। वहीं आने वाली 40 नई चलित प्रयोगशालाओं में यह मिल्कोमीटर अपडेट वाला ही लगा है। इसके साथ ही पहले से चल रहे 15 वाहनों में इसे अपडेट किया जाएगा। वर्तमान में हर प्रयोगशाला तीन से पांच जिलों में जाकर जांचें कर रही है।

एक माह से फरार कुख्यात बदमाश बाबू मस्तान गिरफ्तार, जेल भेजा

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी की ऐशबाग थाना पुलिस ने एक इस्तगासा के मामले में फरार चले रहे इलाके के कुख्यात अपराधी बाबू खान उर्फ बाबू मस्तान को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को उसे एसीपी जहांगीराबाद की कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया। बाबू के खिलाफ विभिन्न थानों में 14 केस दर्ज हैं। उसके खिलाफ दो बार रासुका की कार्रवाई भी हो चुकी है।बार-बार नोटिस के बावजूद कोर्ट में नहीं हुआ पेश ऐशबाग थाना पुलिस के मुताबिक लोक शांति बनाए रखने के लिए शिकायत मिलने पर बाबू मस्तान के खिलाफ धारा-107, 116 (3) का इस्तगासा 15 अप्रैल 2023 को एसीपी जहांगीराबाद की कोर्ट में पेश किया गया था। इस मामले में उपस्थित होने के लिए कोर्ट द्वारा नोटिस/ समंस एवं जमानती वारंट जारी किए गए थे। उपस्थित नहीं होने पर दो जनवरी 2024 को बाबू मस्तान का गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वह तभी से फरार चल रहा था। शनिवार को पुलिस को पता चला कि बाबू मस्तान बाग उमराव दूल्हा स्थित मदीन मस्जिद के पास मौजूद है। इस पर पुलिस की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे एसीपी जहांगीराबाद की कोर्ट में पेश किया।

भाजपा नेता ने फांसी लगाई स्वजन ने जताई हत्या की आशंका

सिटी चीफ भोपाल

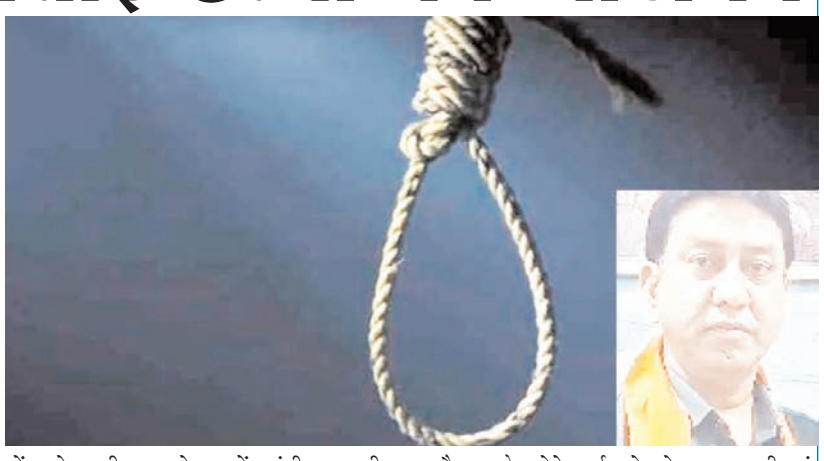

परिवार से अलग किराए के मकान में रह रहे एक भाजपा नेता ने फांसी लगा ली। वह निजी व्यवसाय भी करते थे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उधर स्वजन ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि घटनास्थल पर शराब के 03-04 गिलास मिले हैं। ऐसे में हो सकता है कि किसी ने उन्हें जहर दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।यह है मामला स्टेशन थाना पुलिस के मुताबिक रेतघाट तलैया निवासी 52 वर्षीय राजेश पुत्र जोखेलाल राठौर स्वयं का व्यापार करते थे। वह भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष थे। वर्तमान में वह अपने से घर से अलग चंदबड़ क्षेत्र में किराए का मकान लेकर रह रहे थे। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 12ः30 राजेश ने फांसी लगा ली। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया। तलाशी के दौरान पुलिस को वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कमरे में शराब के चार गिलास बरामद हुए हैं। उनमें शराब पी गई थी। उधर स्वजन ने शराब में जहर देकर राजेश की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। 12वीं की छात्रा ने फांसी लगाई उधर, चूना भट्टी थाना इलाके के दुर्गा नगर में रहने वाली छात्रा ने घर में फांसी लगा ली। वह 12 वीं में पढ़ती थी। वह दो पेपर भी दे चुकी थी। तलाशी के दौरान पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चूना भट्टी थाना पुलिस के मुताबिक मूलतः जबलपुर की रहने वाली 19 वर्षीय पलक पुत्री उमेश सोंधिया कोलार कालोनी के पास स्थित दुर्गा नगर में रहती थी। शुक्रवार दोपहर को उसने फांसी लगा ली। चूना भट्टी थाना प्रभारी बीके संधू ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि बचपन में पलक और उसके छोटे भाई को छोड़कर उसकी मां चली गई थी। मां के जाने के बाद उसके पिता ने भी दूसरी शादी कर ली थी। पलक और उसके छोटे भाई को उसकी दादी पाल रही थी। वर्ष 2013 में भारी वर्षा के दौरान मैनिट की दीवार झुग्गियों पर गिर गई थी। उसकी चपेट में आकर पलक की दादी एवं छोटे भाई की मौत हो गई थी। उसके बाद पलक अपने मौसा आनंद सोंधिया के घर में रहने लगी थी। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि पलक से घर में काफी काम कराया जाता था।

घर में लगी आग, लकवा पीड़ित बुजुर्ग की जिंदा जलकर मौत

सिटी चीफ भोपाल

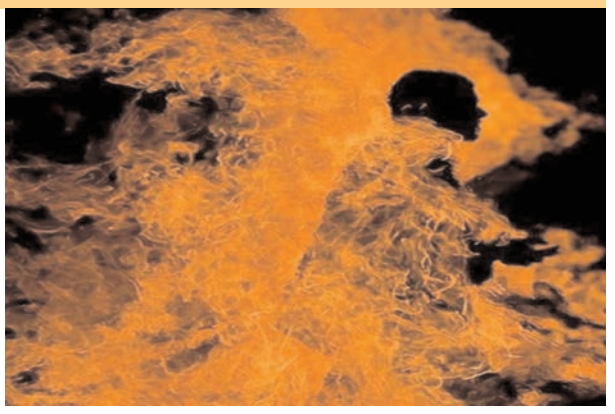

राजधानी के कमला नगर थाना इलाके में स्थित शबरी नगर मल्टी के एक मकान में शुक्रवार शाम को अचानक आग लग गई। आग में वहां अकेले रह रहे लकवा पीड़ित बुजुर्ग की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। वह बीड़ी पीने के आदी थे। बीड़ी सुलगाने के दौरान कपड़ों में आग लगने की भी आशंका है। आग से घर में रखा सारा सामान खाक हो गया है। मर्ग कायमी के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पड़ोसियों ने धुआं निकलता देख दी सूचना कमला नगर थाना पुलिस ने बताया कि शबरी नगर निवासी प्रहलाद सिंह (61) लकवा से पीड़ित थे। इस कारण वह अधिकतर समय घर पर ही रहते थे। उसी मल्टी में नीचे के फ्लैट में उनके दो बेटे परिवार के साथ रहते हैं। शुक्रवार शाम करीब साढ़े छह बजे आसपास के लोगों ने प्रहलाद सिंह के फ्लैट से धुआं निकलते देखा, तो उनके बेटों को बताया। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खोला। अंदर जाकर देखा तो अंदर का तमाम सामान चल चुका था। बुरी तरह झुलस जाने के कारण प्रहलाद सिंह की भी मौत हो चुकी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो की दो ट्रेन भोपाल आईं, एक को ट्रैक पर रखा

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी में मेट्रो ट्रेन परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। शनिवार को मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत दो और ट्रेनें भोपाल पहुंच गई हैं। इन्हें गुजरात के सांवली बड़ोदरा से बड़े ट्रालों से लाया गया है। इनमें से एक ट्रेन को क्रेन की मदद से ट्रैक पर रखा गया है। जबकि दूसरी ट्रेन को रविवार को यानी आज ट्रैक पर रखा जाएगा। बता दें कि भोपाल में एक ट्रेन पहले ही आ चुकी थी, जिसका ट्रायल रन भी हुआ था। व्यवसायिक रन शुरू करने से पहले मेट्रो बिना पैसेंजर के दो हजार किलोमीटर चलाई जाएगी, जिससे ट्रेन और ट्रैक दोनों की फिटनेस देखी जा सके।चलाई जाएंगी 27 मेट्रो ट्रेनें भोपाल में कुल 27 और इंदौर में 25 मेट्रो आएंगी, इनमें तीन-तीन कोच रहेंगे। मेट्रो कार्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक और ट्रेन की फिटनेस जांचने के लिए मेट्रो को कम से कम दो हजार किलोमीटर चलाया जाता है। इसलिए सितंबर-अक्टूबर में ट्रायल रन होने के बाद से ही मेट्रो को लगातार ट्रैक पर चलाया जा रहा है। दूसरी ट्रेन को भी इतनी ही लंबाई तक दौड़ाया जाएगा।

शहीद भवन में देखें नाटक सिहर उठी थी मौत यहां, पालिटेक्निक कालेज सभागार में सुरीले नगमों से गुलजार होगी शाम

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। रविवार 11 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।डाग शो - नर्मदापुरम रोड स्थित एक होटल में इंटरनेशल डाग शो का आयोजन होगा। 35 नस्लों के पांच सौ से ज्यादा श्वान इसमें शामिल होंगे। शो में विश्व भर में पाए जाने वाले विभिन्न नस्लों के श्वान का प्रदर्शन होगा।श्वान पालक खुद अपने पालतू श्वान लेकर यहां आते हैं। शो का समय सुबह 11 बजे से है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने फरवरी माह के प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। लोककला प्रदर्शनी - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा भारत के लोग नामक प्रदर्शनी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी आवृति भवन में सजाई गई है। इस प्रदर्शनी के जरिए मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर, भूमिज, माल पहाड़िया, असुर, हो एवं गोंड जनजाति से संबंधित इंगारामासं के वैविध्यपूर्ण संकलन को दर्शाते हुए झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की झलक के प्रस्तुतीकरण का प्रयास है। प्रदर्शनी को सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है। बाग प्रिंट प्रदर्शनी - धार जिले के बाग और कुक्षी में रहकर छपाई की परंपरा को आगे बढ़ा रहे शिल्पियों ने गौहर महल में बाग प्रिंट प्रदर्शनी लगाई है। 12 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है। श्रीमद्भागवत कथा- मानस भवन में आज से एक सप्ताह तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। 16 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में रोज अपराह्न तीन घंटे अखिल भारतीय मानस संघ धर्म अध्यक्ष पंडित रामकृपालु उपाध्याय महाराज कथा सुनाएंगे। समय दोपहर 2ः30 बजे सायं 5ः30 बजे तक है। संगीत संध्या - मुस्कान म्यूजिकल ग्रुप की ओर से संगीत संध्या %ये मौसम का जादू है मितवा...% का आयोजन किया जा रहा है। एसवी पालिटेक्निक कालेज के सभागार में कार्यक्रम शाम साढ़े चार बजे आरंभ होगा। जनयोद्धा नाट्य समारोह - स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा शहीद भवन में जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह आयोजित किया जा रहा है।

झाबुआ से मप्र में लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

अप्रैल-मई में लोकसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। मध्य प्रदेश सहित गुजरात और राजस्थान की कई सीटों पर आदिवासी मतदाता निर्णायक भूमिका में है। आदिवासी मतदाताओं का झुकाव भाजपा की तरफ रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए सुरक्षित सभी छह सीटें भाजपा ने जीती थीं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने बढ़त बनाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को प्रदेश के झाबुआ में से चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।पीएम ने लिखा- एमपी के विकास में कल का दिन अहम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा, मध्य प्रदेश की विकास यात्रा में कल एक अहम पड़ाव का दिन है। दोपहर करीब 12ः40 बजे झाबुआ में कई विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस दौरान जनजातीय महिला लाभार्थियों को आहार अनुदान की मासिक किस्त वितरित करने का सुअवसर भी मिलेगा। प्रधानमंत्री यहां जनजातीय सम्मेलन से आदिवासियों को संदेश देंगे।

बादलों ने लगाया ठिठुरन पर ब्रेक

दिन के तापमान में मामूली गिरावट, रात का पारा चढ़ा

सिटी चीफ भोपाल

मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने लगा है। प्रदेश में फिलहाल विपरीत दिशा की हवाओं (पूर्वी-पश्चिमी) का संयोजन हो रहा है। इस वजह से बादल छाने लगे हैं। इसके प्रभाव से महाराष्ट्र की सीमा से लगे नर्मदापुरम, जबलपुर संभाग के कुछ जिलों में रविवार सुबह बूंदाबांदी हुई। राजधानी भोपाल में भी बादल छाए हुए हैं। इस वजह से रात में ठंड का असर कम हो गया है। हालांकि बादल छाने की वजह से दिन का पारा लुढ़क गया है।चल रही उत्तर-पूर्वी हवाएं

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भोपाल में अधिकतम तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम रहा। साथ ही यह पिछले दिन के अधिकतम तापमान से भी 0.8 डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं रविवार को रात के पारे में मामूली उछाल आया और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य रहा। पिछले दिन के न्यूनतम तापमान से यह 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। भोपाल में लगातार दूसरे दिन रात के पारे में उछाल आया। दो दिन में रात का पारा करीब साढ़े तीन डिग्री उछल चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल उत्तरी व उत्तर-पूर्वी हवाएं चल रही हैं। अगले एक-दो दिन मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा।

पूर्वी मप्र में बिगड़ेगा मौसम

मौसम विज्ञानियों के अनुसार वर्तमान में दक्षिणी गुजरात पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर कर्नाटक तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके साथ-साथ प्रदेश में फिलहाल विपरीत हवाओं का संयोजन हो रहा है, जिससे कई इलाकों में बादल छा गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक एक-दो दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहेगा। इस दौरान खासकर पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

बायपास सर्जरी में गड़बड़ी, काटना पड़ा पैर, अस्पताल को देना होगा साढ़े पांच लाख रुपये का हर्जाना

सिटी चीफ भोपाल

एक मजदूर ने निजी अस्पताल में बायपास सर्जरी कराई तो उसका दायां पैर काटना पड़ गया। इससे वह जीवनभर के लिए दिव्यांग हो गया। साथ ही उसका रोजगार भी छूट गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने अस्पताल के खिलाफ निर्णय सुनाते हुए उपभोक्ता के इलाज में की गई लापरवाही व उपेक्षा के लिए पांच लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही 50 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और 10 हजार वाद व्यय के रूप में देना होगा।मजदूर की शिकायत थी कि हड़बड़ी में बायपास सर्जरी के लिए उसके रक्त धमनियों को डाक्टरों ने निकाल दिया, जिससे उसके पैर को काटना पड़ गया। भानपुर क्षेत्र के रहने वाले मजदूर कृष्ण मुरारी वर्मा ने चिरायु हेल्थ एंड मेडीकेयर प्रालि के संचालक डा. अजय गोयनका और न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के शाखा प्रभारी के खिलाफ 2021 में जिला उपभोक्ता आयोग में याचिका लगाई थी। इसमें शिकायत की थी कि हृदय रोग से पीड़ित होने के कारण हमीदिया अस्पताल में भर्ती हुआ था। वहां की व्यवस्था से असंतुष्ट होकर निजी अस्पताल में भर्ती हुआ। वहां परीक्षण में पता चला कि तीन धमनियों में ब्लाकेज है। दाएं पैर की रक्त धमनियां काटकर वहां पर सर्जरी की गई, जिसके बाद पैर सुन्न हो गया। इस कारण बाद में पैर को काटना ही पड़ गया।

संपादकीय

मोदी के 'चार सौ पार' के दावे में गुंथे सियासी प्रबंधन के तार..!

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के उत्तर में संसद में आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा द्वारा अपने दम पर 370 और एनडीए द्वारा 4 सौ के पार सीटें जीतने का जो दावा किया गया था, उसका आधार मोदी सरकार द्वारा भारत रत्न सम्मानों की झड़ी तथा विपक्षी तथा दूसरे दलों को अपनी छतरी में लाने के अभियान से समझा जा सकता है। वैसे प्रधानमंत्री ने जो दावा कर रहे हैं, वह जमीन पर कितना उतरेगा, यह तो चुनाव नतीजे ही बताएंगे, लेकिन उसे साकार करने की दिशा में स्वयं प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी भाजपा जिस तरह जमीन आसमान एक किए दे रही है, उससे लगता है कि यह सच हो भी सकता है। भले ही चुनाव पूर्व किए जा रहे ओपीनियन पोल के नतीजे अभी इस दावे को दूर की कौड़ी ही बता रहे हों। बहरहाल, भाजपा की चार सौ पार की यह रणनीति कई स्तरों पर नजर आती है और साम-दाम-दंड-भेद से प्रेरित है। नैतिक आधार पर इसकी आलोचना हो सकती है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर वह सफल होती दिखती है। यूं भी राजनीति मूलत- सत्ता का खेल है और कुर्सी ही इसका अंतिम साध्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसे बखूबी समझते हैं। इसीलिए दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे हटने में भी उन्हें गुरेज नहीं है। आज क्या हासिल होगा, यही उनका प्राथमिक लक्ष्य है। कल क्या होगा, भावी इतिहास इसका आकलन किस रूप में करेगा, नीति शास्त्र में उसे कहां जगह मिलेगी, नियम-कानूनो की लक्ष्मण रेखाओं की सुविधाजनक व्याख्या कैसे की जाएगी, आज लोकतंत्र की आधारभूत संस्थाओं के हाथ किसे सेल्यूट कर रहे हैं, जैसे सवाल आगे भी उठेंगे लेकिन मोदी राजनीति शास्त्र में इन सवालों की चिंता किए बगैर बहुतांश की जनाकांक्षा को किस भाव से पढ़ा जाए और उसे किस तरह अपने पक्ष में मोड़ा जाए, यह हिकमत ही नया पॉलिटिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। और मोदी इस प्रौद्योगिकी के मास्टर हैं। इसी बाजीगरी को इस साल घोषित पांच भारत रत्नों में बूझने की कोशिश मोदी के आलोचक कर रहे हैं। हालांकि, भारत रत्न जैसा सर्वोच्च पुरस्कार जाति, धर्म, समुदाय और क्षेत्रीय दुराग्रहों से परे है और देश की असाधारण सेवा के लिए दिया जाता है। लेकिन इस बार दिए गए पांचो भारत रत्नों में जाति और भौगोलिक क्षेत्र के महीन समीकरण साधने का भाव भी निहित है। भले ही घोषित तौर पर यहा कहा जाए कि हमने वैचारिक मतभेदों के परे जाकर भारत रत्न पुरस्कार दिए हैं। लेकिन न साधकर भी बहुत कुछ साधने की सियासी कारीगरी इसमें साफ झलकती है। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा को लोकसभा चुनाव में इसका लाभ वोटों के रूप में मिलेगा, इसका जवाब पाने के लिए हमे नतीजों का इंतजार करना होगा। इसके दो कारण हैं। पहला तो यह कि भारत रत्न पुरस्कारों में निहित राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूर्ववर्ती अनुभवों में बहुत ज्यादा फलित होती नहीं दिखी है। इसका कारण शायद यह भी है कि पहले के कर्णधारों ने भारत रत्नों के जरिए राजनीतिक हित साधने की झीनी कोशिश जरूर की थी, लेकिन वह उतनी शिद्दत से नहीं थी, जैसी कि इस बार दिखती है। दूसरे, जो पुरस्कार दिए गए हैं या और भी दिए जा सकते हैं, वो ठीक चुनाव के मुहाने पर हैं। लिहाजा इसका कुछ न कुछ असर होने की पूरी संभावना है, जिसका फायदा भाजपा और एनडीए को किसी न किसी रूप में होगा। तीसरे, विचार और आग्रहों के स्तर पर जैसी जबर्दस्त गोलबंदी ऊपर से नीचे तक अब दिखाई दे रही है या करने की कोशिश की जा रही है, वैसी एक दशक पहले तक नहीं थी। जिस होशियारी से ये भारत रत्न दिए गए हैं, उसकी आलोचना मोदी विरोधी भी खुलकर नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि इसमें खतरा यह है कि अगर यह दांव चल गया तो आने वाले समय में किसी भी प्रधानमंत्री को 'भारत रत्न लो और वोट दो' की नीति पर ही काम करना होगा। इसकी शुरूआत हो भी चुकी है। मायावती ने दलितों के नेता कांशीराम और शिवसेना ने बाला साहब ठाकरे को भारत रत्न देने की मांग कर दी है। इनके नामो की घोषणा हो भी सकती है बशर्ते ये सब एनडीए के शामियाने में अपना राजनीतिक स्टॉल लगा लें। दूसरे शब्दों में कहें तो अब किसी विशिष्ट क्षेत्र में अन्यतम योगदान के जरिए देश सेवा के लिए भारत रत्न देकर राष्ट्रीय कृतज्ञता जताने का दौर धुंधला चुका है। यह असंभव नहीं कि भारत रत्न अब जातीय/ सामुदायिक अथवा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व या फिर राजनीतिक लामबंदी की योग्यता के आधार पर ही दिए जाने लगें। इसमें शक नहीं कि लोकसभा चुनाव में चार सौ पार का आंकड़ा हासिल करने के लिए भाजपा अपना एनडीए कुनबा बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही है। पहले जदयू का लौटना, अब रालोद का एनडीए में शामिल होना, पंजाब में अकाली दल को लौटाने की कवायद इसी का हिस्सा है। उधर दक्षिण में पी.वी. नरसिंहराव को भारत रत्न देने का स्वागत पूर्व सत्तारूढ़ रही भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष केसीआर ने किया है। केसीआर की पार्टी ने तीन साल पहले पी.वी. नरसिंहराव की जन्मशती धूमधाम से मनाई थी और उन्हें 'तेलंगाना का गौरव' और 'भारतमाता का परम प्रिय पुत्र' कहा था। तब कांग्रेस खामोश ही रही थी। हालांकि, अब नरसिंहराव को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद कांग्रेस यह कह रही है कि उन्हें प्रधानमंत्री तो हमने ही बनाया था। पी.वी. नरसिंहराव अविभाजित आंध्र के मुख्यमंत्री थे। ऐसे में आंध्र में भी इसका कुछ तो संदेश गया ही है। खासकर तब कि जब भाजपा और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी फिर साथ आने की बात चल रही है। इसी तरह वर्तमान संदर्भों में महान कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न देना विज्ञान प्रतिभा के सम्मान से ज्यादा तमिलनाडु की जनता को राजनीतिक संदेश देना ज्यादा है। हालांकि वहां की द्रविड राजनीति में अभी भी भाजपा के लिए कोई खास जगह नहीं है, लेकिन यह रेत में घरौंदा बनाने की कोशिश जरूर है। एक बात साफ है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केवल राम लहर, हिंदुत्व और सुनहरे आर्थिक सपनो के भरोसे नहीं है। वह इसी के समानांतर गरीब कल्याण, रेवड़ी कल्चर, सियासी गोलबंदी, धार्मिक ध्रुवीकरण, मोदी के वैश्विक नेता बनने, भारत के विश्व गुरू होने की दिशा में आगे कूच करने तथा युवाओं का सपना सच होने के दावों के टूल्स का भी भरपूर उपयोग कर रही है।

दक्षिणायन: हिंदू वोटों को हासिल करने के लिए भाजपा की नई रणनीति

कर्नाटक में पिछला विधानसभा चुनाव मई, 2023 में हुआ था। चुनाव से कुछ महीने पहले स्थानीय समाचार पत्रों की सुर्खियों में चार विषय हावी रहे। पहला, कॉलेजों में आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने वाली कई मुस्लिम लड़कियों द्वारा पहना जाने वाला हिजाब था। दूसरा, कई मुस्लिमों द्वारा किसी जानवर को खाने से पहले उसे मारने की प्रथा थी। तीसरा, एक वयस्क मुस्लिम पुरुष और एक वयस्क हिंदू लड़की के प्यार करने और शादी करने की इछा रखने की कभी-कभार होने वाली घटना था। और चौथा, इतिहास और आख्यान में एक ऐसे राजा का स्थान था, जो कभी कर्नाटक राय के एक हिस्से पर शासन करता था, और जो दो सौ साल से भी अधिक पहले ब्रिटिश साम्रायवादियों से लड़ते हुए मारा गया था।

हिजाब, हलाल, लव जिहाद और टीपू सुल्तान-ये तब अखबारों की सुर्खियां थे, जिन्हें कर्नाटक के मतदाताओं को रिझाने के लिए उछाला जा रहा था। ध्यान दीजिए, नौकरियां, कीमतें, स्कूलों व अस्पतालों की स्थिति, हवा व पानी की स्थिति, सड़कों की स्थिति या ऐसे अन्य विषय नहीं थे, जिनके बारे में किसी को लगे कि उस राय के छह करोड़ लोगों के लिए अधिक मायने रखने चाहिए, जहां मैं रहता हूं। हालांकि इसकी वजह पूरी तरह से राजनीतिक थी। सत्तारूढ़ भाजपा सरकार खास लोकप्रिय नहीं थी और उसके मुख्यमंत्री भी उतने प्रभावी नहीं थे। मतदाताओं के सत्ता-विरोधी रुझान को भांपते हुए दिल्ली में बैठे पार्टी के आकाओं ने कर्नाटक चुनाव को पूरी तरह से हिंदू बनाम मुस्लिम मुद्दा बनाने का फैसला किया। भाजपा ने मुसलमानों को अलग और अविश्वसनीय रूप से चित्रित करने की कोशिश की। उन्हें उम्मीद थी कि बहुसंख्यक हिंदू आबादी उसके पक्ष में एकजुट हो जाएगी।

लेकिन ये रणनीतियां विफल रहीं। कर्नाटक के चुनाव में कांग्रेस ने काफी सहज ढंग से बहुमत प्राप्त किया, उसकी जीत दो कारणों से हुई- पहला, हिंदी भाषी रायों के विपरीत पार्टी का

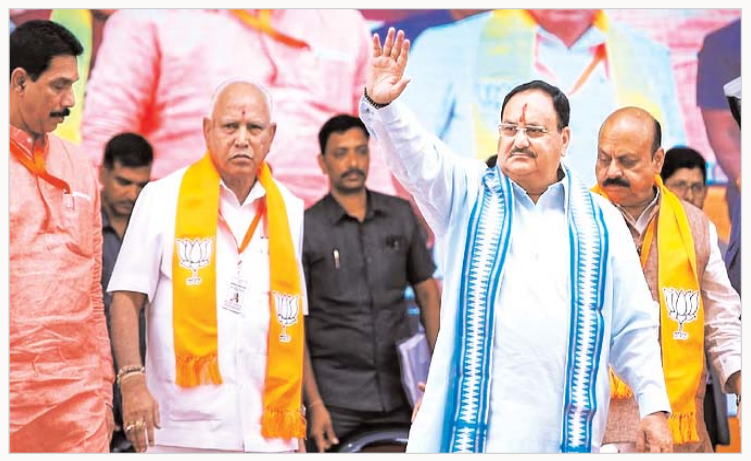

अब भी पूरे कर्नाटक में यथोचित जनाधार है; दूसरा, राय इकाई के प्रमुख नेताओं- सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार ने कमोबेश मिलकर काम किया। आज कर्नाटक के अखबारों की सुर्खियां हिजाब, हलाल, टीपू सुल्तान आदि से हटकर यादा ठोस, साथ ही कम सांप्रदायिक मुद्दों, जैसे खराब मानसून का खेती पर प्रभाव, बंगलूरू में सड़कों और सार्वजनिक परिवहन की दयनीय स्थिति, मंत्रियों द्वारा अधिकारियों के तबादले में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोप आदि हैं। लेकिन धर्म के सवाल अब एक बार फिर सुर्खियों में हैं। चूंकि अगले कुछ महीनों में लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं और कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं, जो कम नहीं हैं। इसलिए भाजपा की राय इकाई ने हिंदू वोटों को एकजुट करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इसके लिए कर्नाटक भाजपा ने मांड्या जिले के एक गांव में एक खंभे और उस पर किस तरह का झंडा फहराना चाहिए, इसको लेकर विवाद खड़ा कर दिया।

हिंदुत्व के कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि पुराने हनुमान मंदिर के निकट होने के कारण खंभे पर भगवा झंडा फहराया जाना चाहिए। राय प्रशासन का मानना था कि चूंकि खंभा सरकारी जमीन पर है, इसलिए उस पर केवल राष्ट्रीय ध्वज ही फहराया जाना चाहिए। जो मुद्दा मामूली और स्थानीय होना चाहिए था, उसे भाजपा ने बड़ा बना दिया। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक उस गांव पहुंचे और जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने सार्वजनिक खंभे पर भगवा झंडे को फहराने की अनुमति देने से इन्कार करके हिंदू समुदाय का अपमान किया है। एक बड़ी रैली में आर अशोक जद (एस) के नेता एच डी कुमारस्वामी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। अपने अवसरवाद को स्पष्ट दिखाने के लिए कुमारस्वामी ने भगवा शॉल ओढ़ रखा था, जबकि उनकी पार्टी के नाम में एस तकनीकी रूप से धर्मनिरपेक्ष के लिए है। दो फरवरी को डेक्कन हेराल्ड में प्रकाशित वरिष्ठ भाजपा नेता सी टी रवि के एक भाषण पर आधारित रिपोर्ट में दावा किया गया कि बीदर जिले में एक मुस्लिम पीर की दरगाह मूल रूप से 12वीं सदी के हिंदू सुधारक बसवन्ना द्वारा बनवाया गया एक मंडप था। इसके बाद रवि ने आगामी लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा, 'चुनाव काशी विश्वनाथ और औरंगजेब, सोमनाथ और गजनी तथा हनुमान और टीपू के बीच है। काशी और मथुरा में भव्य मंदिर के निर्माण के लिए मोदी को सत्ता में लौटना चाहिए।'

कर्नाटक के भाजपा नेताओं के ऐसे बयान पूरी तरह के उनके सामान्य गुणों के अनुरूप हैं। इससे भी निराशाजनक बात यह है कि राय में कांग्रेस नेताओं द्वारा उन हिंदुओं को खुश करने की कोशिश की जा रही है, जो मानते हैं कि राजनीति और शासन व्यवस्था को बहुसंख्यकवादी मुहावरे से चलाया जाना चाहिए। कर्नाटक कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी के मामले पर ही विचार करें, जिनका विभाग राय के मंदिरों का प्रबंधन करता है। रेड्डी ने 22 जनवरी, जिस दिन अयोध्या में भाजपा प्रायोजित मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह चल रहा था, को सभी मंदिरों में पूजा करने का एक आदेश जारी किया। जब केरल दौरे पर गए कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, देखिए, आखिरकार हम सभी हिंदू हैं।

अयोध्या घटना के दो हफ्ते बाद रामलिंगा रेड्डी ने मीडिया को बताया कि वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से राय भर में सौ राम मंदिरों के नवीनीकरण के लिए धन आवंटित करने के लिए कह रहे हैं। जहां तक मुझे पता है, मुख्यमंत्री ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया सार्वजनिक नहीं की है। अतीत में सिद्धारमैया ने राजनीति और समाज में बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियों के खिलाफ दृढ़ता से बात की है। हालांकि उनके हालिया बयान अनिश्चितता की भावना दर्शाते हैं। अयोध्या की घटनाओं पर उनकी प्रतिक्रिया हिंदू भक्ति का प्रदर्शन था। कर्नाटक कांग्रेस द्वारा हिंदुत्व के तरीकों की नकल करने के ये प्रयास नैतिक रूप से संदिग्ध हैं। इससे लाभ मिलने की संभावना नहीं है। याद करें कि छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भूपेश बघेल और कमलनाथ ने बार-बार अपनी हिंदू पहचान, राम और हनुमान के प्रति भक्ति का प्रदर्शन किया था। लेकिन इस खेल में भाजपा को कोई हरा नहीं सकता, जैसा कि उन विधानसभा चुनावों के नतीजों से पता चला है।

गणित और भगवान: भौतिक दुनिया के समानांतर एक ऐसा संस्कार जहां सच है सब कुछ

सत्तर का हो गया हूं। हैरत की बात है कि मैं अब इस उम्र में कभी-कभी भगवान के बारे में सोचता हूं। हालांकि अपनी सफाई में यह जरूर कह सकता हूं कि भगवान के ये विचार मुझे इसलिए नहीं आते कि अपने अपरिहार्य अंत की ओर बढ़ते हुए मुझे इसकी जरूरत महसूस हो रही है या किसी संत, धर्म या पवित्र पुस्तक की प्रेरणा से यह हो रहा है। भगवान के विचार पर मैं दरअसल गणित के जरिये पहुंचा हूं। गणित और भगवान? गणित से मेरा अर्थ भी ठीक वही है, जो आप समझते हैं। अल्जेब्रा, योमेट्री और कैलकुलस, यानी वही गणित, जो स्कूलों में पढ़ाई जाती है। हालांकि गणित से मेरा लगाव कोई नया नहीं है। कई साल पहले जब मैं स्कूल में था, तभी मैंने गणित की गहराइयों में जाने का फैसला ले लिया था। आखिर मैं इस विषय को कैसे भूल सकता हूं? यही तो है, जिसकी मुहब्बत ने मुझे कलाओं से दूर करते हुए काफी रूरू बना दिया था। मेरा मानना था कि अगर मैं गणित नहीं पढ़ूंगा तो इससे मेरी सोचने एवं समस्याओं के निदान ढूंढने और दुनिया को जटिल ढंग से देखने की क्षमता सीमित हो जाएगी। मैं यह भी सोचता था कि अगर मैं इस विषय को कुछ हद तक भी समझ लेता हूं तो मैं यादा स्मार्ट हो सकूंगा। आश्चर्य है कि आज 70 साल की उम्र में भी गणित से अपना परिचय मुझे कम ही लगता है। महसूस होता है कि मैं गणित की दुनिया

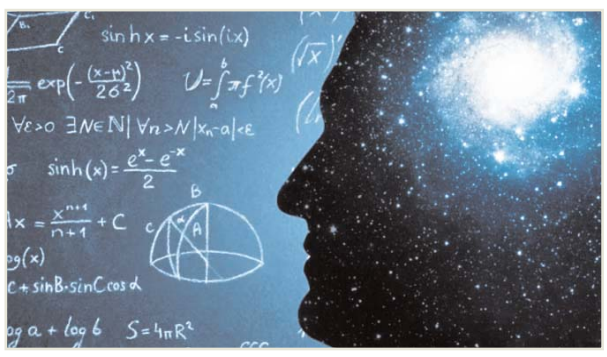

में एक पर्यटक हूं। लेकिन मेरा अनुभव मुझे यह भरोसा दिलाता है कि भगवान खुद को गणित के माध्यम से अभिव्यक्त करता है। हालांकि इस मामले में मेरा कोई निष्कर्ष नहीं है, लेकिन तमाम गणितज्ञ गणित और भगवान के बीच की कड़ी जरूर ढूंढते रहे हैं। यह कोई आज की बात नहीं है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व में पाइथागोरस के बाद से ही गणित में भगवान को ढूंढने के प्रयास जारी हैं। कई गणितज्ञ मानते हैं कि गणित की प्रमेयों में देवत्व की झलक होती है। मसलन, न्यूटन का मानना था कि गणित ईश्वर के दिमाग में आने वाले विचारों का एक प्रकार है। कुछ साधारण से रहस्य हैं, जो यह समझाने में मदद करते हैं कि ऐसा क्यों हो सकता है? सबसे महत्वपूर्ण रहस्य इस सवाल में निहित है कि गणित का निर्माण किया गया या उसकी खोज की गई? कुछ गणितज्ञों का मानना है कि गणित मनुष्य द्वारा आविष्कार की गई एक प्रणाली है, जो विशिष्ट प्रकार की विचार-प्रक्रिया के प्रति मनुष्य के आकर्षण से आकार लेती है। लेकिन बहुमत का मानना है कि गणित मनुष्य की विचार प्रक्रिया से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में है और गणितज्ञ जिन सवालों में पूरी जिंदगी लगाते हैं, वे एक स्वतंत्र और कालातीत दुनिया का गूगल मैप हैं। भौतिक दुनिया के समानांतर यह एक ऐसी दुनिया है, जहां कुछ भी अछा या बुरा नहीं है, सबकुछ बस 'सच' है। इस संबंध में कनाडाई गणितज्ञ रॉबर्ट लैंगलैंड्स का मानना है कि गणित पूर्ण नहीं है और इसकी प्रकृति को देखते हुए यह कभी हो भी नहीं पाएगी। गणित दरअसल अनंत को समझने की कोशिश करती है। यह भी संभव है कि गणित खुद ही अनंत हो। प्राचीन काल से धर्मशास्त्री मानते रहे हैं कि अनंत होना भगवान का गुण है। यह भी माना जाता रहा है कि खुद सीमित होने की वजह से मनुष्य उस अनंत ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता। लेकिन उनके अनुसार मनुष्य को यह क्षमता दी गई है कि वह भगवान के स्वभाव को समझ सके। हालांकि धर्मशास्त्री हमेशा से ही भगवान पर एकाधिकार को लेकर थोड़े संवेदनशील रहे हैं। 1859 में लंदन में प्रकाशित 'लीडर्स ऑफ द रिफॉर्मेशन'में जॉन टलच ने 1529 के एक सम्मेलन में एक विवाद पर थोड़ा चिढ़ते हुए मार्टिन लूथर के एक कथन को उद्धृत किया कि 'मुझे आपके गणित से कोई लेना-देना नहीं। भगवान गणित से ऊपर हैं।'19वीं शताब्दी के अंत में गणितज्ञ जॉर्ज कैंटर, जो सेट थ्योरी के जन्मदाता भी हैं, ने पाया कि अनंत का विचार भी स्थिर नहीं है। अनंत का विचार अंतरिक्ष की तरह है, जो निरंतर फैल रहा है। हर अनंत में हर पल कुछ जुड़ रहा है, जो उसे बड़ा अनंत बना रहा है। जाहिर है कि अनंतताएं भी असंख्य हैं और इन्हें एक-दूसरे से जोड़ा भी जा सकता है। लेकिन अनंत की इस यात्रा में कोई व्यक्ति उस बिंदु पर पहुंच सकता है, जिसमें सभी अनंतताएं समाहित हों। कैंटर ने उस बिंदु के बारे में एक मित्र को लिखा, 'यह बिंदु पूर्ण है, जो मानवीय समझ से बाहर है। यह 'एक्टस प्यूरीसिमस' है। यही भगवान है।'

हनुमान स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, दिव्य स्वरूप देख भक्तों ने कहा- धन्य हो गए हम

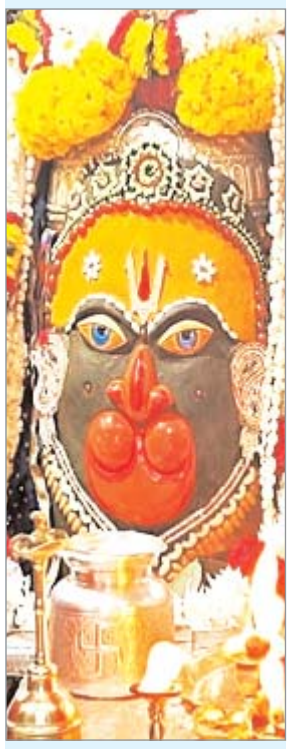

उज्जैन में शनिवार को बाबा महाकाल 11वें रूद्र के रूप में नजर आए। बाबा महाकाल का वैसे तो प्रतिदिन संध्याकालीन भांग श्रृंगार किया जाता है, जिसमें अलग-अलग श्रृंगार कर बाबा को मनोहारी स्वरूप में सजाया जाता है। इसी क्रम में आज यानी शनिवार को बाबा महाकाल हनुमान जी के रूप मे श्रृंगारित किए गए, जिनके दर्शनों का लाभ हजारों श्रद्धालुओं ने लिया। यह दर्शन कर भक्त अपने आपको धन्य महसूस करते नजर आए। याद रहे कि प्रतिदिन बाबा महाकाल की पांच आरती होती है, जिसमें अलग-अलग श्रृंगार किए जाते हैं, लेकिन भांग श्रृंगार केवल दो ही बार होता है। एक सुबह चार बजे होने वाली भस्म आरती में, तो दूसरा संध्याकालीन आरती में। इन दोनों ही श्रृंगार में पांच किलो भांग, दो किलो ड्रायफ्रूट्स, तीन किलो मौसमी फल सहित नवीन वस्त्र आभूषण बाबा महाकाल को पहनाए जाते हैं।

समय-समाज- नए साल वाले संकल्पों से राहत देती है छोटी सी फरवरी

कुछ लोगों के लिए फरवरी नीरस हो सकता है, लेकिन इस महीने के साथ दो बातें तो तय हैं। एक तो यह छोटा होता है, और दूसरा यह जनवरी नहीं है। जनवरी हर साल की शुरुआत में जिन दबावों को लेकर आती है, फरवरी उनसे राहत देती है। दरअसल, नए साल की शुरुआत के अति-उत्साह में हम जिन ऊट-पटांग संकल्पों को ले चुके होते हैं और जनवरी के अंत तक जिन्हें त्यागने के बारे में सोच रहे होते हैं, फरवरी का आगमन मौन रूप से उनकी पुष्टि कर देता है। अगर आप अपने संकल्पों में प्रगति नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको खुद के प्रति कठोर नहीं होना चाहिए।

न्यूयॉर्क में लैंगोन हेल्थ संस्थान में एसोसिएट प्रोफेसर थिआ गालेघर कहती हैं, 'जिंदगी व्यवहारिक एवं नियंत्रित ढंग से चीजों को जोड़ते रहने का नाम है।' फरवरी आपको व्यावहारिकता की जमीन पर उतारती है और लक्ष्यों की ओर बढ़ने का सही तरीका बताती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी के प्रोफेसर टायलर जे वेंडरवेले के अनुसार, सबसे पहले तो आप यह सोचें कि क्या

आपने सही संकल्प लिया है? वह कहते हैं, 'ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय पहले छोटे लक्ष्य बनाएं और धीमी गति से आगे बढ़ें।' उनके अनुसार, अगर आप सौ फीसदी लक्ष्य हासिल न कर पा रहे हों, तो 80/20 के नियम का पालन करें।

उदाहरण के लिए, आप रोज सोचते हैं कि आज से कसरत शुरू करूंगा, लेकिन समय नहीं निकाल पाते, तो दबाव महसूस करने के बजाय सप्ताहांत की सुबह कसरत करने का नियम बनाएं। कहने का आशय है कि खुद को कड़े नियमों से न बांधें। केंट स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर एंजेला नील-बार्नेट सुझाव देती हैं कि योग, कसरत या भ्रमण संबंधी संकल्पों को पूरा करने के लिए बेहतर होगा, अगर आप कोई ऐसा मित्र या परिवार का सदस्य ढूंढें, जिसके साथ मिलकर आप ये गतिविधियां कर सकें और जो आपको लगातार प्रेरित भी कर सके। डॉ. वैंडरवेले कहते हैं कि अपने प्रियजन का साथ आपको अपने लक्ष्यों पर नियमित नजर रखने में मददगार होता है। चाहे बुधवार रात की एक कॉल हो या फिर रविवार सुबह की कॉफी, आपको अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। डॉ. नील बार्नेट कहते हैं कि संकल्प को पूरा करने में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खुद को कोसने के बजाय छोटी-छोटी जीतों का आनंद लें। जो काम आज पूरे नहीं हुए, वे कल होंगे। हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

सिंगल कॉलम

जोनस ब्रदर्स की छोटी फैन की इछा प्रियंका ने की पूरी

दिल छू लेने वाला वीडियो आया सामने

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने के बाद प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। बीते कुछ सालो में वे हॉलीवड की कई प्रोजेक्ट्स में नजर आई। हालांकि, इसके साथ प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी चर्चा में रहती हैं, दोनों अक्सर एक दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। वहीं, प्रियंका पति निक और उनके भाईयों के कॉन्सर्ट में भी अक्सर उन्हें सपोर्ट करने पहुंचती है। हाल ही में जोनस ब्रदर्स के कॉन्सर्ट में प्रियंका ने एक छोटी फैन की इछा को पूरा किया। सोशल मीडिया पर दिल को छू जाने वाले इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों प्रियंका की तारीफ कर रहे हैं। **दिल छू लेने वीडिया आया सामने** दरअसल, ओक्लाहोमा में जोनास ब्रदर्स के कॉन्सर्ट के दौरान एक दिल छू लेने वीडिया सामने आया, जिसे एक महिला ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया। इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा एक छोटी बची के पास आती दिख रही है, बची ने अपने हाथों में ढेर सारे बैंड पहन रखे है। प्रियंका के पास आने के बाद वो अपने हाथ में से एक-एक करके तीन बैंड निकालती है और उसे जोनस ब्रदर्स तक पहुंचाने के लिए प्रियंका को देती है।

वादा निभाने के लिए धन्यवाद इस वीडियो को शेयर करने के बाद महिला ने जोनस ब्रदर्स की इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर की गई एक तस्वीर का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें प्रियंका चोपड़ा द्वारा पोस्ट की गई एक तस्वीर शामिल थी। इस तस्वीर को प्रियंका ने उस बची द्वारा दिए गए बैंड को जोनस ब्रदर्स तक पहुंचाने के बाद क्लिक कर पोस्ट किया था, जिसका स्क्रीनशॉट शेयर कर महिला ने प्रियंका चोपड़ा धन्यवाद दिया और लिखा, अपना वादा निभाने के लिए धन्यवाद आप ने मेरी बेटी की शाम को यादगार बना दिया।

वंचित लड़कियों से मिलकर मुंबई लौटीं तापसी पन्नू

बाराबंकी-मोगा में किए काम की दिखाईं तस्वीरें

अभिनेत्री तापसी पन्नू की मानें तो पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और चंडीगढ़ के मोगा में वह समाज की वंचित बचियों के बीच लंबा वक्त बिताकर आई हैं। किसी न किसी आंगन में फूल बनकर महकने को तैयार हो रही इन नन्हीं कलियों से मिलने के दौरान तापसी ने इन्हें पढ़ाई के साथ साथ खेल और दूसरी जरूरी बातों के लिए भी जागरूक किया। तापसी का मानना है कि जरूरतमंद लोगों के साथ समय बिताने और इनका ध्यान देना बहुत जरुरी है। अभिनेत्री तापसी पन्नू पिछले तीन वर्षों से नन्ही कली नामक एक गैर-सरकारी संगठन से जुड़ी हैं और हर साल वंचित लड़कियों से मिलकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए जागरूक करती रहती है। तापसी पन्नू की टीम से मिली जानकारी के मुताबिक हाल ही में वह बाराबंकी और मोगा गईं और वहां की हाशिये पर जीवन बिता रहीं बेटियों से मुलाकात की। इन बालिकाओं को उन्होंने कहानियों की किताबें, रैकेट और अन्य शैक्षणिक सामग्री भी उपहार में दी। बताते हैं कि अभिनेत्री तापसी पन्नू का लड़कियों ने पारंपरिक पोशाक पहनकर उनका स्वागत किया और उनके साथ नृत्य भी किया। तापसी पन्नू ने उनके साथ समय बिताया और उनके साथ अपने विचार को साझा करते हुए उनकी जरूरतों को समझने की कोशिश की। तापसी पन्नू कहती हैं, यह सिर्फ पैसे दान करने के बारे में नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों के साथ समय बिताने और इनका ध्यान देने के बारे में भी है। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने कहा, मैं इन बचियों को डॉक्टर, इंजीनियर और टीचर, जो भी बनना चाहती हैं, बनाना चाहती हूं। मैं इनके साथ हूं। मेरी कोशिश यही है कि कोई भी बची, किशोरी या युवती शिक्षा से वंचित न रहे। क्योंकि अगर आप एक आदमी को शिक्षा देते हैं तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित कर रहे हैं, लेकिन अगर आप एक औरत को शिक्षा देते हैं तो आप पूरे देश को शिक्षित करते हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग

रणवीर सिंह की शक्तिमान पर आया बड़ा अपडेट

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। सुपरस्टार अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। रणवीर ने ऐतिहासिक शख्सियतों से लेकर अनोखे किरदारों तक कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। आने वाले दिनों में रणवीर, डॉन के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा वह भारत के पहले सुपरहीरो शक्तिमान की चुनौतिपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी तैयार हैं। इसी बीच फिल्म शक्तिमान पर बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है।

शक्तिमान बनेंगे रणवीर!

रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह अनुभवी अभिनेता मुकेश खन्ना द्वारा बनाए गए प्रतिष्ठित चरित्र पर आधारित एक फिल्म में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिन्होंने 1990 के दशक में टेलीविजन पर शक्तिमान का किरदार निभाया था। ऐसी अफवाह थी कि फिल्म का निर्देशन बेसिल जोसेफ द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने मिन्नल मुरली और गोधा जैसी मलयालम फिल्मों का निर्देशन किया है। लेकिन, फिर चीजें ठंडी हो गईं और इस मोर्चे पर कोई खबर नहीं आई। अब हमारे पास इस बहुप्रतीक्षित देसी सुपरहीरो पर नवीनतम जानकारी है।

शक्तिमान का निर्माण, बजट

कथित तौर पर सोनी पिक्चर्स और साजिद नाडियाडवाला मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगे। इसे 300-350 करोड़ रुपए के बजट में बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। निर्माता इस परियोजना को पुनर्जीवित करने की योजना बना रहे हैं, और जब रणवीर सिंह अपनी मेगाबजट फिल्म डॉन 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे तब इसकी शूटिंग शुरू होगी।

शक्तिमान पर आधिकारिक पुष्टि बाकी

शक्तिमान रणवीर सिंह के करियर ग्राफ को और यादा ऊंचाई पर पहुंचाने का काम करेगा। शक्तिमान परियोजना की घोषणा पिछले साल सोनी पिक्चर्स द्वारा की गई थी, जिसमें मुकेश खन्ना रचनात्मक सलाहकार थे। हालांकि, फिल्म की कास्ट और क्रू को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अगर रणवीर सिंह वास्तव में शक्तिमान का किरदार निभा रहे हैं, तो यह फिल्म के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और सुपरहीरो के प्रशंसकों के लिए एक सौगात होगी।

पिता की तरह फिल्मों में नाम नहीं कमा सके ये स्टार किड्स, एक्टिंग करियर रहा

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाले कई अभिनेता, निर्माता और निर्देशक के बचों ने भी इडंस्ट्री में अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन अपने पिता की तरह नाम नहीं कमा पाएं। इनमें से कई अभिनेता ऐसे रहे, जिन्होंने अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष भी किया लेकिन बॉलीवुड में उनका सिक्का नहीं चला। स्टार किड्स होने के बावजूद ये अभिनेता बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने में सफलता नहीं हासिल कर सके। चलिए, आपको ऐसे ही कुछ स्टार्स के बारे में बतातें हैं। इस लिस्ट में पहला नाम इंडस्ट्री के दिग्गज निर्माता वासु भगनानी के बेटे जैकी भगनानी का है। जैकी भगनानी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में कल किसने देखा से की थी। जैकी की यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इसके बाद साल 2011 में जैकी ने रेमो डिसूजा के निर्देशन में पहली फिल्म फालतू में मुख्य भूमिका निभाई। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सफल रही। इसके बाद जैकी भगनानी अजब-गजब लव, यंगिस्तान समेत सात फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इसके बाद जैकी एक्टिंग से दूर हो गए। हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार जितेंद्र के बेटे तुषार कपूर का भी एक्टिंग करियर कुछ खास नहीं रहा। हालांकि, अपने करियर में उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, लेकिन ये सारी फिल्में मल्टीस्टारर फिल्में रही। गोलमाल सीरीज, खाकी और शूट आउट एट वडाला इनमें से प्रमुख है। हालांकि, लीड एक्टर के तौर पर तुषार की करियर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सका। तुषार ने करीना कपूर के साथ मुझे कुछ कहना है फिल्म से अपना डेब्यू किया था। अपने करियर में तुषार ने 30 से अधिक फिल्मों में काम किया। फिलहाल तुषार एक्टिंग से दूर हैं। इस लिस्ट में अगला नाम अभिनेता शेखर सुमन के बेटे अध्ययन सुमन का नाम भी शामिल है। अध्ययन सुमन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में हाल-ए-दिल से किया था। इस फिल्म के बाद अध्ययन सुमन को इंडस्ट्री में उभरते हुए सितारे के तौर पर देखा जाने लगा, लेकिन उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप होती चली गई। उन्होंने 12 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। इसके अलावा अध्ययन कई वेब सीरीज में भी नजर आएं। बावजूद इसके अध्ययन इंडस्ट्री में अपना पैर नहीं जमा सके। सुपरस्टार मिथुन के बेटे महाक्षय चक्रवर्ती का करियर भी फ्लॉप रहा। साल 2008 में महाक्षय ने जिम्मी से अपना डेब्यू किया, लेकिन यह फिल्म फ्लॉप रही। इसके बाद महाक्षय भारत की पहली 3डी फिल्म हांटेड में नजर आए। हांटेड के बाद महाक्षय ने एक के बाद एक 13 फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन बॉलीवुड में अपनी जगह नहीं बना पाए।

एनिमल के समर्थन में आईं भूमिका पेडनेकर भक्षक अभिनेत्री ने संदीप रेड्डी को लेकर कही यह बात

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन अपनी फिल्म भक्षक को लेकर चर्चा में हैं। क्राइम थ्रिलर भक्षक में एक पत्रकार की भूमिका में नजर आ रही हैं। सची घटना पर आधारित इस फिल्म को दर्शक भी पसदं कर रहे हैं, वहीं समीक्षकों ने भी इस फिल्म को सराहा है। मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया है। हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान भूमि ने साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने एनिमल का बचाव किया।

गौरतलब है कि रणबीर कपूर स्टारर एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया। ए सर्टिफिकेट मिलने के बावजूद एनिमल ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, अपनी सफलता के साथ-साथ यह फिल्म आलोचनाओं के केंद्र में भी रही। मुख्य रूप से फिल्म में महिलाओं के किरदार को लेकर कई सवाल उठे। हालांकि, कई स्टार्स ने इस फिल्म का समर्थन भी किया। अब इस लिस्ट में भूमि का नाम भी शामिल हो गया है।

एक साक्षात्कार में भूमि ने कहा, मैंने एनिमल देखी, लेकिन मुझे अति पुरुष प्रधान फिल्मों में मजा ही नहीं आता और ये अभी से नहीं, बहुत पहले से हैं। हॉलीवुड की भी एक्शन फिल्मों में भी हैं। मुझे ना रोम-कॉम फिल्में यादा पसंद आती हैं।

इस दौरान भूमि ने एनिमल निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा का समर्थन किया। उन्होंने कहा, मैं मानती हूं कि एक फिल्म निर्माता की आत्म-अभिव्यक्ति होती है और यह महत्वपूर्ण भी है, लेकिन एक दर्शक के रूप में, आप उससे क्या सीखते हैं, यह चुनौती है।

गौरतलब है कि एनिमल में रणबीर कपूर के अलावा अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, शक्ति कपूर, तृप्ति डिमरी, सिद्धांत कार्निक, सलोनी बत्रा जैसे अभिनेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनिमल की सफलता के बाद मेकर्स की इस फिल्म के दूसरा पार्ट एनिमल पार्क की भी घोषणा की है।

क्रैक की रिलीज से पहले मुसीबत में फंसे विद्युत जामवाल आरपीएफ अधिकारियों ने हिरासत में लिया!

विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्रैक- जीतेगा तो जिएगा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बीते दिन जारी हुए फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। इसी बीच अभिनेता की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही है। इस फोटो में अभिनेता सुरक्षा बल कार्यालय में नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर, 43 वर्षीय विद्युत को मुंबई के बांद्रा में रेलवे सुरक्षा बल ने हिरासत में ले लिया। वायरल तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि विद्युल जामवाल के साथ सबकुछ ठीक नहीं है। मुंबई पुलिस ने कथित तौर पर जोखिम भरे स्टंट में शामिल होने के लिए अभिनेता को हिरासत में ले लिया। यह घटनाक्रम क्रैक- जीतेगा तो जिएगा ट्रेलर के रिलीज होने के एक दिन बाद सामने आया है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित, आगामी नाटकीय एक्शन फिल्म में एमी जैक्सन, अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विद्युत को उनकी आगामी फिल्म के प्रचार के दौरान एक्शन स्टंट करने की सूचना के बाद हिरासत में लिया गया। हालांकि, उन पर लगे आरोपों की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, मुंबई के बांद्रा में रेलवे सुरक्षा बल कार्यालय के परिसर में विद्युत की मौजूदगी की एक तस्वीर व्यापक रूप से ऑनलाइन प्रसारित हो रही है। अभिनेता विद्युत जामवाल ने हाल ही में कहा कि स्टंट से भरपूर फिल्म के साथ उनका उद्देश्य भारत की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स एक्शन थ्रिलर बनाना था। अभिनेता ने कहा, क्रैक के साथ मेरी सोच भारतीय सिनेमा में सबसे बड़ी स्पोर्ट्स एक्शन थ्रिलर पेश करने की थी। मुझे एक असाधारण टीम मिली, जिसका मैं आभारी हूं और उनकी मदद से मैं ऐसी फिल्म बना पाया। टीम ने मेरे सपने को हकीकत में बदल दिया। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नोरा फतेही और एमी जैक्सन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर में विद्युत ने हैरतअंगेज स्टंट सीक्वेंस पेश किए हैं, जिससे उनके आगामी प्रोजेक्ट के लिए प्रत्याशा बढ़ गई है। विद्युत ने ट्रेलर को साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, जिसमें फिल्म की एड्रेनालाईन-ईंधन वाली दुनिया की एक झलक पेश की गई है। ट्रेलर में विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल को जबरदस्त एक्शन दृश्यों में दिखाया गया है, जो इस शैली में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कांटों में फंसी साड़ी की तरह इकॉनमी को निकाला बाहर निर्मला सीतारमण ने क्यों कही यह बात?

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सरकार ने पिछले दस साल में देश की अर्थव्यवस्था को कांटों में फंसी साड़ी की तरह सही-सलामत निकाला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इकॉनोमी को भविष्योन्मुखी सुधारों की राह पर चलाने का प्रयास किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्यसभा में श्वेत पत्र पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस सरकार को जो अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, उसके बारे में विपक्ष द्वारा बड़े-बड़े दावे किए गए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के लोग भी कहते हैं कि अटल बिहार वाजपेयी सरकार से जो विरासत संप्रग सरकार को मिली, उसी कारण उसके पहले पांच वर्ष में अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी रही। अभी ही क्यों लाया गया श्वेत पत्र?

उन्होंने कहा कि पहले ही इस बात को स्पष्ट किया जा चुका है कि यदि यह श्वेत पत्र पहले लाया जाता तो लोगों एवं निवेशकों का अपने देश, अर्थव्यवस्था और संस्थानों पर विश्वास डोलने लगता। उन्होंने कहा कि प्रश्न किया जाता है कि यह श्वेत पत्र अभी क्यों लाया गया? उन्होंने कहा कि एक निर्वाचित सरकार के नाते उनका यह दायित्व है कि वह संसद के दोनों सदनों के माध्यम से जनता को यह जानकारी दें कि अर्थव्यवस्था की स्थिति दस वर्ष पहले क्या थी और आज वह किस स्तर पर पहुंच गयी है। सीतारमण ने कहा, ''हम दो पटरियों पर चल रहे थे। एक थी- अर्थव्यवस्था को दुरूस्त करना, पूर्व के गलत कामों को सही करना, अड़चनों को दूर करना और इनके साथ ही भविष्योन्मुखी सुधारों की ओर भी ध्यान देना।'' कभी दुनिया की 5 कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में था भारत उन्होंने कहा कि साल 1991 में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया शुरू हुई थी लेकिन उसे 2004 के बाद पूरा नहीं किया गया, आगे नहीं बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सुधारों, विशेषकर भविष्योन्मुखी सुधारों पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने एक तमिल कहावत का उदाहरण देते हुए कहा कि 2014 में जो अर्थव्यवस्था उनकी सरकार को मिली थी, उसकी तुलना कांटेदार झाड़ी में फंसी साड़ी से की जा सकती है जिसे कांटों से सही सलामत निकालने की चुनौती रहती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अर्थव्यवस्था को उस कांटेदार झाड़ी से निकाला। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की यह 'हालात' थी कि यह विश्व की पांच कमजोर अर्थव्यवस्था में एक थी और आज सरकार के प्रयासों के कारण यह विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी है। सीतारमण ने कहा कि आज अर्थव्यवस्था की जो स्थिति है, उसके आधार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्वास के साथ यह कह रहे हैं कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा।

टाटा के बाद महिंद्रा भी भारत में बनाएगी एयरक्राफ्ट
इस विदेशी कंपनी के साथ हो गई डील

नई दिल्ली: भारतीय वायु सेना को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की जरूरत महसूस हो रही थी. इसे समझते हुए ऑटो सेगमेंट की दिग्गज कंपनी महिंद्रा ग्रुप ने ब्राजील की कंपनी एम्ब्रार के साथ मिलकर सी 390 मिलेनियम एयरक्राफ्ट बनाने का ऐलान किया है. दोनों कंपनियां इसे एयरफोर्स की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने पर सहमत हो गई हैं. महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट करके इस डील की घोषणा भी की है.

महिंद्रा और टाटा ग्रुप से चल रही थी वार्ता

एयरफोर्स 18 से 30 टन वजन उठाने में सक्षम एमटीए की तलाश कर रही है. एम्ब्रार ने फरवरी में बेंगलुरु में इस सी 390 मिलेनियम मल्टी मिशन टेक्टिकल एयर ट्रांसपोर्ट को प्रदर्शित किया था. इस विमान को लेकर एम्ब्रार की महिंद्रा और टाटा ग्रुप से वार्ता जारी थी. मगर, शुक्रवार को महिंद्रा ने इसमें बाजी मारते हुए डील का ऐलान कर दिया. दोनों कंपनियों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए हैं.

आनंद महिंद्रा ने किया सौदे का ऐलान

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी पैसेंजर जेट निर्माता कंपनी एम्ब्रार डिफेंस एंड सिक्योरिटी और महिंद्रा डिफेंस सिस्टम्स मिलकर इस सौदे पर काम करेंगे. आनंद महिंद्रा ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि इस सौदे से मुझे बहुत खुशी मिली है. इसकी मदद से हम भारतीय वायु सेना की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे. एयरफोर्स जल्द ही एमटीए के लिए टेंडर जारी करने वाली है.

टाटा और एयरबस ने किया था सौदा

हाल ही में टाटा समूह ने एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी एयरबस के साथ एच125 सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर बनाने का सौदा किया था. समझौते के अनुसार, वडोदरा स्थित असेंबली लाइन में 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी बनाए जाएंगे. टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा था कि यहां बनने वाले एच125 हेलीकॉप्टर निर्यात भी किए जाएंगे. भारत में अभी इस तरह के 800 हेलीकॉप्टर तक की तत्काल डिमांड है.

इसरो में निकली वैज्ञानिक, तकनीकी सहायक सहित कई पदों पर भर्ती फटाफट कर दें अप्लाई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने वैज्ञानिकों/इंजीनियरों, तकनीकी सहायकों, पुस्तकालय सहायकों और अन्य पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 01 मार्च है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट isro.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसरो भर्ती 2024 रिक्ति विवरण यह भर्ती अभियान 224 रिक्तियों को भरने के लिए चलाया जा रहा है। रिक्ति विवरण निम्न प्रकार है- वैज्ञानिक/इंजीनियर : 5 तकनीकी सहायक : 55 वैज्ञानिक सहायक : 6 पुस्तकालय सहायक: 1 तकनीशियन-बी/ड्राफ्ट्समैन बी: 142 फायरमैन ए: 3 रसोइया: 4 हेवी व्हीकल ड्राइवर ए: 2 इसरो भर्ती 2024 आवेदन शुल्क वैज्ञानिक, इंजीनियर-एससी, तकनीकी सहायक, वैज्ञानिक सहायक पदों के लिए आवेदन करने के लिए 250 का गैर-वापसीयोग्य आवेदन शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में, सभी उम्मीदवारों को पहले 750 का भुगतान करना होगा। प्रोसेसिंग शुल्क केवल लिखित परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को वापस किया जाएगा।तकनीशियन-बी, ड्राफ्ट्समैन-बी, कुक, फायरमैन-ए, हल्के वाहन चालक-ए और भारी वाहन चालक-ए के लिए 100 रुपये का गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क जमा करना होगा।

विदेशी बाजार की मंदी से सोना-चांदी में हल्की नरमी, इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार के भाव

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को निवेशकों और सटोरियों की बिकवाली बढ़ने के कारण सोना-चांदी वायदा घटकर बंद हुआ। कामेक्स पर सोना 10 डालर घटकर 20.35 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 6 सेंट घटकर 22.64 डालर प्रति औंस बंद हुआ। इसके चलते शनिवार को इंदौर मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इंदौर में सोना कैडबरी 100 रुपये घटकर 63775 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 200 रुपये घटकर 71900 रुपये प्रति किलो रह गई। वैवाहिक सीजन वालों की सोने और चांदी में डिमांड बराबर बनी हुई है, जिससे कीमतों में ज्यादा मंदी के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

इंदौर में सोना-चांदी के बंद भाव सोना कैडबरी रवा नकद में 63775 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64050 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 58670 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 63875 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 71900 रुपये, चांदी टंच 72000 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 70700 रुपये प्रति किलो बोली गई। शुक्रवार को चांदी 71100 रुपये पर बंद हुई थी। **उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम** सोना स्टैंडर्ड 64900 रुपये तथा सोना रवा 64800 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 72200 रुपये तथा चांदी टंच 72100 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा। **रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम** सोना स्टैंडर्ड 64150 रुपये तथा सोना रवा 64100 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप
फाइनल: भारत इतिहास रचने को तैयार

नई दिल्ली । आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 के फाइनल में रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने मंगलवार को एक तनावपूर्ण मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जीत के लिए 245 रनों का पीछा करते हुए, भारत ने सचिन धास और कप्तान उदय सहारन के बीच शानदार मैच विजेता साझेदारी की बदौलत 32 रन पर चार विकेट खोने के बाद जोरदार वापसी करते हुए एक यादगार जीत हासिल की। गुरुवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भी रोमांच चरम पर रहा, मैच के अंतिम ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान पर एक विकेट से जीत हासिल की। पाकिस्तान को 179 के कुल स्कोर पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम लक्ष्य का पीछा करने में लड़खड़ा गई, हालांकि उनके मध्य और निचले क्रम ने महत्वपूर्ण साझेदारियाँ बनाकर लड़खड़ाते हुए जीत दर्ज की। दोनों पक्षों के बीच बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार 11 फरवरी को विलोमूर पार्क, बेनोनी में आयोजित किया जाएगा, यह वही स्थान है, जहां दोनों सेमीफाइनल मैच आयोजित किए गए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही फाइनल में अपराजित हैं, शुरुआती चरण और सुपर सिक्स चरण दोनों में अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर हैं। पूरे प्रतियोगिता में प्रभावित करने वाले भविष्य के सितारों में भारत के कप्तान उदय सहारन और ऑस्ट्रेलिया के ह्यू वेइबोन शामिल हैं, और दोनों की नजरें रविवार को प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने पर टिकी हैं।

पैरों में क्रैंप के कारण होने वाले दर्द को हल्के में न लें, बन सकता है गंभीर बीमारी का कारण

नई दिल्ली । हमारे शरीर में कई ऐसी परेशानियां हैं जो तत्काल दुख नहीं देती लेकिन अगर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए तो यह आगे जाकर घातक बीमारियों का कारण बन सकती है. हम में से अधिकांश लोगों को कभी-कभार पैरों की मांसपेशियां बहुत खतरनाक तरीके से क्रैंप आ जाता है. यानी पैरों के निचले हिस्से की मांसपेशियों वाला जो भाग है, उसमें ऐंठन या कड़ापन हो जाता है और मांसपेशियां अपनी जगह से थोड़े आगे-पीछे हो जाती है. इस हिस्से को काफ मसल्स कहते हैं। यह होती एक-आध मिनट के लिए ही है लेकिन इसमें दर्द की टीस इतनी तेज होती है कि लगता है कि करंट के झटके लग गए. किसी की भी चीख निकल जाती है। आमतौर पर यह देर रात या 4 से 5 बजे सुबह के आसपास होता है. एक-आध मिनट के बाद मांसपेशियां अपनी जगह चली जाती है जिससे दर्द भी खत्म हो जाता है. लेकिन अगर यह ज्यादा परेशान करता है तो यह आगे जाकर किडनी फेल्योर का भी कारण बन सकता है. इसलिए इसे नजरअंदाज न करें. तुरंत डॉक्टरों की सलाह लें।

पैरों में क्रैंप के कारण

मायो क्लिनिक के मुताबिक सामान्य तौर पर अधिकतर मामलों में पैरों में क्रैंप का कारण पता नहीं चलता. यह मसल्स और नर्व में दिक्कतों के कारण हो सकता है. उम्र के साथ पैरों में क्रैंप की परेशानी बढ़ती जाती है. प्रेग्नेंट महिलाओं को यह समस्या ज्यादा होती है. इसके अलावा कुछ लोग ऐसी दवाइयां लेते हैं जिससे रात में ज्यादा पेशाब होता है. इस कारण भी रात में पैरों में क्रैंप हो सकता है. लेकिन कई बार पैरों में क्रैंप के घातक कारण हो सकते हैं. जैसे कि किडनी फेल्योर या सिरोसिस. वहीं गतिहीन जीवनशैली, बहुत ज्यादा एक्सरसाइज, बैठने के तरीकों में गलती, बहुत देर तक खड़ा रहना, नर्व की दिक्कतें आदि भी इसके कारण हो सकते हैं।

इन स्थितियों में भी पैरों में क्रैंप

1. एक्यूट किडनी फेल्योर भी पैरों में क्रैंप की वजह हो सकती है.
2. एडीसन डिजीज.
3. अल्कोहल डिसॉर्डर.
4. एनीमिया यानी हीमोग्लोबिन की कमी.
5. क्रोनिक किडनी डिजीज.
6.सिरोसिस की बीमारी.
7. डिहाइड्रेशन
8. हाई ब्लड प्रेशर.
9.हाइपोग्लेसीमिया.
10. हाइपोथायराइड.
11. गतिहीन जीवनशैली.
12. ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल की दवाइयां.
13. पार्किंसन डिजीज.

कैसे पाएं इससे छुटकारा

हालांकि पैरों में क्रैंप एक-दो मिनट में अपने आप ठीक हो जाता है. लेकिन यदि इस इसमें मसाज या स्ट्रैच किया जाए तो इससे जल्दी छुटकारा पाया जा सकता है. जब भी पैरों में क्रैंप आए और दर्द बहुत तेज हो तो हील्स पर या तलवों के बल पर कुछ समय वॉक करें. चलते-चलते ही पैरों का क्रैंप खत्म हो जाएगा।

खाली पेट भूलकर भी न खाएं ये चीज, किडनी फेल होने का बढ़ता है खतरा !

नई दिल्ली । किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है. इसलिए इसका खास ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है. लेकिन, क्या आप कभी ऐसा कर पाते हैं

दरअसल, आजकल वस्यस्कों के साथ-साथ युवा भी किडनी की समस्या के शिकार हैं. इस समस्या की खास वजह उनकी अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खानपान है. इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग तमाम चीजों का सेवन करते हैं. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि कुछ चीजों का गलत तरह से सेवन किडनी की समस्या को और बढ़ा सकती हैं. जी हां, ऐसा करने से किडनी फेल होने का खतरा बढ़ता है. आइए जीटीबी हॉस्पिटल दिल्ली के मेडिसिन युनिट हेड डॉ. अमितेश अग्रवाल से जानते हैं कि किडनी को हेल्दी रखने के लिए खाली पेट क्या नहीं खाना चाहिए.

शरीर में किडनी का कार्य- किडनी का सबसे महत्वपूर्ण काम है शरीर से टॉक्सिक और लिक्विड पदार्थों को यूरिन के जरिए बाहर निकालना है. साथ ही यह शरीर में नमक, एसिड, पोटैशियम की मात्रा को भी कंट्रोल करती है. किडनी छोटी रक्त वाहिकाओं से भरी होती है, जो रक्त से अपशिष्ट और अतिरिक्त पानी को छानने और उन्हें शरीर से निकालने में मदद करते हैं.

एक्सपर्ट के मुताबिक, अनियंत्रित मधुमेह गुर्दे की विफलता का एक बड़ा कारण है. ऐसे में यदि किसी को ब्लड शुगर है और वह इसे नजरअंदाज कर कोई दवा नहीं लेता है. इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ने के साथ किडनी को नुकसान होने का खतरा बढ़ता है. इसलिए दवा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. लेकिन, ध्यान रहे कि इसे खाली पेट नहीं लेना है.लंबे समय तक खाली पेट दर्द निवारक दवाओं का उपयोग करना भी गुर्दे की विफलता का कारण हो सकता है. बता दें कि, यह आदत शरीर और किडनी पर नकारात्मक प्रभाव डालती है. इसलिए किसी भी दर्द निवारक दवा का खाली पेट सेवन करने से बचना चाहिए.डॉ. अमितेश अग्रवाल बताते हैं कि, यदि कोई व्यक्ति ओवरवेट या मोटापे का शिकार है तो भी किडनी फेल होने की खतरा बढ़ सकता है. ऐसे में जरूरी है कि शरीर के बढ़ते वजन पर नियंत्रण करें. ऐसा करने से आपके गुर्दे हमेशा हेल्दी रहेंगे. एक्सपर्ट के मुताबिक, किडनी से जुड़ी समस्या जेनेटिक भी हो सकती है. बता दें कि, यदि घर में यदि माता-पिता, दादा-दादी या परिवार के किसी सदस्य को किडनी की समस्या है, तो भविष्य में किडनी रोग होने का खतरा हो सकता है. इसलिए अगर इलाज जल्दी शुरू कर दिया जाए तो ज्यादातर मामलों में किडनी की समस्याएं ठीक हो सकती हैं. हालांकि, किसी भी चीज के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूरी है.

ग्राम पंचायत कमताना मैं उपसरपंच और जनपद सदस्य ने लगाए सरपंच पर लगाए गवन के आरोप

पन्ना, पन्ना जिले के अमानगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत कमताना के जनपद पंचायत गुनौर सदस्य शिव प्रसन्न प्यासी एवं उपसरपंच कृष्ण कुमार प्यासी ने सरपंच पर लगाए धांधली के आरोप। आपके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छोटे तालाब एवं बड़े तालाब की गहरीकरण के लिए स्वीकृत राशि सात, सात लाख रुपए सरपंच के द्वारा बिना निर्माण के निकाल ली गई है। एवं मीडिया के समक्ष दिखाएं जाने पर वास्तविकता से अवगत कराया गया जो की शिकायतकर्ता के माध्यम से सही पाया गया। जनपद सदस्य शिव प्रसन्न प्यासी एवं उप सरपंच कृष्ण कुमार प्यासी जी द्वारा तालाब में घोटाले की शिकायत जिला कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत सीईओ के समक्ष की गई है लेकिन अभी तक शासन द्वारा इस शिकायत के विषय में कोई कार्यवाही न होने पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं दूसरी ओर वृक्षारोपण के लिए 25000/ की राशि स्वीकृत हुई थी वहां भी भ्रष्टाचार किया गया है एवं वृक्षारोपण के नाम पर पेड़ तक दिखाई नहीं दे रहा है। एवं शमशान घाट के निर्माण में जो सामग्री लगाई गई है पूर्व सरपंच के द्वारा बाउंड्री में लगाए गए पत्थरों एवं पड़ी हुई सामग्री का उपयोग किया गया है इसमें कहीं ना कहीं बहुत बड़े घोटाले की आशंका ग्रामीणों द्वारा जताई जा रही है अब देखना यह है कि प्रशासन इतने के बावजूद भी इस विषय को प्रशासन अपनी संज्ञान में कब तक लेगा।

दमोह में सूचना के अधिकार के तहत सूचना मांगने पर रोजगार सहायक और अधिवक्ता मे हुआ विवाद

दमोह, सूचना के अधिकार अधिनियम अंतर्गत जानकारी मांगना किसी आवेदक को कितना भारी पड़ सकता है यह घटना इसका जीवंत उदहारण बन गई है दर असल मामला केवल जानकारी चाहने या जानकारी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है मामला कुछ ज्यादा ही उलझा हुआ है। दमोह जनपद अंतर्गत आने बाली ग्राम पंचायत बिसनाखेड़ी निवासी उजयार सिंह ठाकुर उम्र 35 वर्ष जो की पेशे से बकील है अपनी ही ग्राम पंचायत में दिनांक 29 /12 /2023 को कुल 4 बिन्दुओ पर जानकारी हेतु दमोह जनपद में एक पत्र भेजते है जिसपर जनपद के लोक सुचना अधिकार सम्बंधित ग्राम पंचायत को पत्र अंतरित कर समय सीमा में जानकारी प्रदाय करने और जनपद को अवगत कराने पत्र जारी किया जाता है जिसपर ग्राम पंचायत के लोक सुचना अधिकारी द्वारा जनपद को 15 दिवस के बाद एक पत्राचार के माध्यम से एक पत्र द्वारा जानकारी भेजी जाती है की सुचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 के तहत एडव्होकेट को जानकारी उपलब्ध करने का अधिकार सम्बंधित एक्ट में नहीं है साथ ही एक आवेदन में एक से अधिक बिन्दुओ पर जानकारी मांगना नियम अनुसार उचित नहीं है इसलिए आवेदक के द्वारा चाही गयी जानकारी नहीं उपलब्ध कराई जा सकती। जिसकी जानकारी आवेदक अधिवक्ता के साथ हुए दुर्व्यवहार के विरोध में जिला अधिवक्ता संघ दमोह के सदस्य बड़ी संख्या में पहुंचे अधिवक्ता को जनपद द्वारा ग्राम पंचायत में जानकारी प्राप्त करने कहा जाता है जिसपर आवेदक अधिवक्ता ग्राम पंचायत में जाकर जानकारी मांगी जाती है जिसपर आवेदक और ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक खेमचंद असाटी के मध्य कहा सुनी होने लगती है जो आगे जाकर हाथापाई तक पहुंच जाती है जिसका वीडियो सोशल मिडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जिसमे ग्राम पंचायत का रोजगार सहायक बड़े ही उत्तेजित अवस्था में आवेदक पर गाली गलोच और मोबाइल छीनने की कोशिस करते दिख रहा है। सम्पूर्ण मामले में अब जहा एक और सम्पूर्ण अधिवक्ताओ ने आरोपी रोजगार सहायक को सबक सिखाने किं ठान ली है और कलेक्टर /एस.पी को ज्ञापन के माध्यम से पीड़ित अधिवक्ता को न्याय दिलाने और आरोपी रोजगार सहायक पर जाँच उपरांत उचित दंडात्मक कार्यवाही की मांग की है वही रोजगार सहायक खेमचंद असाटी का कहना है यह विवाद सुचना के अधिकार का नहीं आपसी चुनावी रंजिश का है।अब देखना होगा जाँच उपरांत क्या होगा, पर यह मामला उन सभी फर्जी सूचना के अधिकार अंतर्गत जानकारी मांगने वाले ले फर्जी आर.टी.आई. एक्टिविस्ट जिनका घर इसी तरह ब्लेकमेलिंग कर चल रहा है उनके लिए यह मामला एक बड़ी सीख हो सकता है।

स्वामी अमृतानंद शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम का छटवा दिन.

स्वच्छता अभियान और मतदान जागरूकता के लिए लोगो को प्रेरित किया

बड़वानी, स्वामी अमृतानंद शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन में स्वयं सेवकों ने तक्यापुर गांव में साफ सफाई की और लोगों को स्वच्छता एवं मतदान के प्रति जागरूक किया द्य बौद्धिक कार्यक्रम में स्वरोजगार के क्षेत्र में अवसर एवं चुनौतिया विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्त सेट मैप के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर श्री अरविंद चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य स्पष्ट रूप से बनाना चाहिए उन्हें यह तय करना चाहिए कि उन्हें नौकरी करना है या बिजनेस अगर नौकरी करना है तो स्पेसिफिक क्षेत्र में जिसमें विद्यार्थी की रुचि है उस पद के लिए तैयारी करना चाहिए अन्यथा बिजनेस के लिए जितनी न्यूनतम शिक्षा की आवश्यकता है उसे पूर्ण कर व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए द्य साथी ही विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कियाद्य कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ लक्ष्मण रजाने द्वारा किया गया द्य पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिल कुमार सोलंकी एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ आरती पवार व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे

मैहर में सीमेंट प्लांट से उठ रहे धुए से लोगो को हो रही परेशानी

मैहर, ग्राम पंचायत भरौली में एक बड़े सीमेंट प्लांट से उठने वाला धुआं बड़ी समस्या का कारण बनता जा रहा है. ग्राम पंचायत भरौली व इसके साथ लगती पंचायतों मे प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है. एक तरफ स्वच्छता अभियान से लेकर जल अभियान चलाया जा रहा है. दूसरी ओर एमपी बिरला परफेक्ट सीमेंट प्लांट भरौली पंचायत तथा आसपास की पंचायतों को यह कंपनी प्रदूषण का शिकार बना रही है. सेहत पर पड़ रहा असर]ग्राम पंचायत भरौली में एक बड़े उद्योग होने के कारण एमपी बिरला परफेक्ट सीमेंट के उद्योग से होने वाले प्रदूषण से आसपास की भूमि तो बंजर हो रही है,साथ में लोगों,पशुओं की सेहत पर भी भारी असर पड़ रहा है. यहां पर फैक्ट्री में सीमेंट में उपयोग होने वाली सामग्री से लेकर चिमनी से निकलने वाला धुआं भी प्रदूषण उगलता है.

लोगों का क्या है कहना

स्थानीय लोगो ने बताया कि इस प्रदूषण के चलते लोगों कों टीवी, श्वास, दमा, कैंसर जैसी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं. सिर्फ इंसान ही नहीं बल्कि पशु भी अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो रहें है. इसके साथ लोगो ने यह भी बताया कि सीमेंट फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से सुबह-सुबह धुंआ का जोर ज्यादा रहता है और प्रदूषण की जांच कराने में लापरवाही बरती जा रही है. लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस बारे जल्द से जल्द कोई कार्रवाई की जाए. जिससे लोगो को परेशानी का सामना नही करना पड़े. आपको बता दूं कि मैहर में जब से एमपी बिरला परफेक्ट सीमेंट प्लांट रिलायंस का पदार्पण हुआ है तब से प्लांट के आसपास रहने वाले स्थानीय ग्रामीण के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर प्लांट के द्वारा किसी भी प्रकार का अभियान नहीं चलाया जाता और ना ही स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए कोई डॉक्टर भी उपलब्ध करा पाई है ऐसे में सिर्फ और सिर्फ क्षेत्र वासियों को धुआं ही धुआं मिलता है अगले अंक में हम आपको बताएंगे की जब से एमपी बिरला परफेक्ट सीमेंट प्लांट रिलायंस इंडस्ट्रीज का मैहर में आवागमन हुआ है तो श्वास को लेकर मरीजों की संख्या में कितना इजाफा हुआ है।

ग्वालियर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक से भिड़ी बस, दो दर्जन यात्री घायल

ग्वालियर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आयसर ट्रक से एक बस टकरा गई है। यह बस श्रद्धालुओं से भरी हुई थी। श्रद्धालु महाकाल दर्शन के बाद मथुरा जा रहे थे। हादसे में ट्रक में सवार दो दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए। बताया जा रहा की चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस ने घायलों को बस से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया है। आगरा मुंबई नेशनल हाईवे पर मोहना के पास यह हादसा हुआ है। आपको बता दें कि तेलंगाना से करीब आधा सैकड़ा श्रद्धालु दर्शन करने के लिए निकले थे। यह एक टूरिस्ट बस थी जिसमें सवार होकर श्रद्धालु महाकाल मंदिर पहुंचे और यहां से दर्शन करने के बाद शुक्रवार की रात को वह मथुरा के लिए रवाना हुए थे। शनिवार सुबह मोहना बायपास पर आईसर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे पीछे से आ रही बस आयसर से टकरा गई।

मैहर के वार्ड क्रमांक 9 प्राथमिक विद्यालय में वार्ड पार्षद निधि प्रजापति की उपस्थिति में आयोजित हुआ एफ एल एन मेला

मैहर, राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन में नगर के वार्ड नंबर 9 में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफ एल एन) मेला का आयोजन किया गया द्य इस अवसर पर वार्ड पार्षद निधि प्रजापति के साथ रविता गुप्ता दीप्ति तिवारी एवं अनीता तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे द्य इस दौरान विद्यालय में राज्य से प्राप्त रिपोर्ट कार्ड के आधार पर बच्चों के पांच विकासात्मक क्षेत्र जिसमें शारीरिक विकास, रचनात्मक विकास, संख्यानात्मक विकास, सामाजिक विकासात्मक विकास एवं भाषात्मक विकास की गतिविधियां कराई गई द्य अपने उद्बोधन में पार्षद निधि ने विद्यालय स्टाफ की सराहना करते हुए सरकार के इस मिशन को पूरी तरह अमल में लाने के निर्देश भी दिए जिससे बच्चों का संपूर्ण विकास हो और भविष्य में एक श्रेष्ठ नागरिक बनें द्य विदित है कि 2027 तक लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर कक्षा तीसरी तक के बच्चों को समझ के साथ 60 शब्द प्रति मिनट की रफ्तार से पढ़ना जिसमें बुनियादी संख्या ज्ञान के अंतर्गत चारअंक की संख्याएं और सक्रियाएं सम्मिलित करके उनके ज्ञान को विकसित करना है

आदर्श वालीबाल क्लब मैहर का सराहनीय आयोजन है अखिल भारतीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट

मैहर, वर्तमान दौर में जहां युवा पीढ़ी क्रिकेट और फुटबॉल जैसे खेलों की ओर ज्यादा आकर्षित होती है ऐसे दौर में मैहर के आदर्श वॉलीबॉल क्लब का द्वारा आयोजित अखिल भारतीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट एक सराहनीय आयोजन कहा जा सकता है आयोजन के लिए पिछले एक महीने से संस्था के सक्रिय सदस्य एवं राष्ट्रीय स्तर के निर्णायक अरुण तिवारी एवं संस्था के सचिव अरुण तनय मिश्रा के साथ वरिष्ठ खिलाड़ी राम सिंह सर, टी आर बाजपेई लेखराज सिंह एवं पूरी टीम द्वारा तैयारी का परिणाम है कि इस टूर्नामेंट में केरल हरियाणा उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों की ख्याति प्राप्त टीमें प्रदर्शन कर रही है द्य सबसे महत्वपूर्ण है कि इसमें पुरुषों के साथ महिला टीमों की भागीदारी जो एक सुखद संकेत है कि आने वाले समय में मैहर में वॉलीबॉल को लेकर अगर इसी तरह के सार्थक प्रयास जारी रहे तो निश्चित इस नगर से भी वॉलीबॉल के कई खिलाड़ी प्रदेश एवं देश को मिल सकते हैं द्य फिलहाल इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए आदर्श वॉलीबॉल क्लब के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई

तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का समापन तक्षशिला के बाल खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

सतना, तक्षशिला इंगलिश स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय इनडोर एवम आउटडोर खेलकूद प्रतियोगिता का समापन विधिवत हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पालन ने कहा कि खेल हमें जोड़ने का काम करते हैं। खिलाड़ियों को असफलता मिलने पर कभी निराश नहीं होना चाहिए। हमें एक दूसरे से सदैव जुड़े रहना चाहिए। खेलों से युवाओं में आगे बढ़ने की भावना विकसित होती है, इसलिए खेल प्रतियोगिताएं छात्र - छात्राओं के जीवन का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष रविशंकर गौरी ने कहा कि भारतीय खेलों का पूरे विश्व में डंका बजता है। खेल हमें अवसाद और बिमारियों से दूर रखते हैं।तक्षशिला विद्यालय खेलों में भी विशिष्ट पहचान बना रहा है। यह विद्यार्थियों के लिए शुभ संकेत है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुजाता शर्मा ने कहा कि हमें जीवन को प्रतियोगिता की तरह स्वीकार करना चाहिए। खिलाड़ी छात्रों के जीवन में हमेशा प्रतियोगिता की भावना बनी रहे यह महत्वपूर्ण है। जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र भी प्रतिस्पर्धा ही है। स्कूल डायरेक्टर सूर्य प्रकाश सिंह ने तीन दिवसीय खेल उत्सव की व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुऐ कहा कि वर्षों की गुलामी के बाद भी हमारी वेशभूषा, परम्परा और भारतीय संस्कृति जिंदा है जो हमारे लिए गर्व की बात है। स्कूल प्राचार्या नीलम गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अंकिता सक्सेना ने किया। खेल उत्सव समापन के मौके पर विजयी खिलाड़ियों के अलावा खेल में भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों का विद्यालय प्रशासन ने पुरुस्कार देकर बाल खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यालय में टाप टेन आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों के माता पिता का भी सम्मान किया गया। खेल को सफल बनाने में कमलेश केवट, राकेश कुमार साहू, हामिद खान, विनोद अग्रवाल, विकाश ताम्रकार, जित्तू चौधरी, शिवम महेश मिश्रा, शालिनी सिंह, विशाखा गुप्ता, महिमा पांडेय, मनीषा सेन, अंजली कुशवाहा काजल मिश्रा, नेहा तिवारी व आरती द्विवेदी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

रामानंदी नवनिर्माण सेना के जिला अध्यक्ष नियुक्त, महेंद्र बैरागी बने शाजापुर जिलाध्यक्ष

शाजापुर, श्री रामानंदी नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष निखिल निमावत ने संगठन के शाजापुर जिलाध्यक्ष पद पर नगर के महेंद्र बेरागी को नियुक्त किया है। श्री बैरागी के जिलाध्यक्ष बनने पर संगठन के संरक्षक नीरज वैष्णव, अनिल देवुरारी, भगवानदास बैरागी, बंटी बैरागी, राहुल वैष्णव राम बैरागी अनमोल रोहित वैष्णव ईश्वर दास वैष्णव बनवारी दास बैरागी प्रीतम नागर सहित इष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष ने उच शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त से मिलकर नए भवन की शीघ्र बने इसकी मांग की भोपाल, प.बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विपुल कसेरा ने भोपाल में उच शिक्षा विभाग के मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, उच शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री के.सी. गुप्ता एवं उच शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री वीरेंद्र भल्लवी से भेट कर उन्हे अवगत कराया की शाजापुर शासकीय प.बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में नवीन भवन के आलावा 12 अतिरिक्त कक्ष एवं प्रयोगशाला, नवीन वाटिका का सौंदरकरण के समस्त दस्तवेज उच शिक्षा विभाग में भेजे जा चुके है अत: नये बजट में शाजापुर महाविद्यालय को नए भवन की सौगात मिल सके इसके लिए जनभागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा ने सभी से मिलकर शीघ्र नए भवन की मांग की उक्त जानकारी देते हुए जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा ने बताया की विगत एक वर्ष से नए भवन के निर्माण को जनभागीदारी समिति में प्रस्ताव पास किया एवं तत्कालिक उच शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव जी को मांग पत्र सोप कर नए भवन की मांग की थी जिसे शाजापुर प्रवास के समय उन्होंने नए भवन की घोषणा की थी जिसके प्रकालन का पत्र उच शिक्षा विभाग से प्राप्त हुआ था जिसे पी.आयी.यु से प्रकालन तैयार कर उच शिक्षा विभाग भोपाल भेजा गया उसके बाद तकनीकी स्वीकृति की मांग उच शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा की गयी उसे भी पी.आयी.यु से तैयार कर उच शिक्षा विभाग को भेज दिया गया है अत: इन्ही सभी प्रक्रिया को पूर्ण करने के पश्चायत नए भवन का कार्य शीघ्र प्रारम्भ हो इसके लिए ही उच शिक्षा विभाग में सभी से भेट कर उन्हे अवगत कराया ।

शाजापुर में मौसम बन रहा मुसीबत

कभी गर्म, कभी सर्द हो रहे मौसम से नहीं बैठ रहा तालमेल, हजारों मरीज रोज पहुंच रहे अस्पताल

शाजापुर, दिन मे गर्मी, रात में सर्दी तो कभी दिन में सर्द हवाएं ओर रात में सर्दी में गिरावट आना। तो कभी रात में मौसम सर्द होना। इन दिनों मोसम के यही हाल हैं, जिससे शहरवासियों का तालमेल नहीं बैठ रहा है। परिणाम स्वरूप हजारों लोग प्रतिदिन अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें सर्दी, बुखार के अलावा खांसी और कमजोरी की शिकायत लेकर जाने वालों की संख्या ज्यादा है। दिन में गर्मी और सुबह-शाम सर्दी होने से जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। सर्दी-खांसी, बुखार व अन्य बीमारियों सहित अन्य बीमारियों के हजारों मरीज एक सप्ताह में अस्पताल पहुंच चुके हैं। कुछ दिन पहले सर्दी से लोग ठिठुर रहे थे। इसके बाद तापमान में बढ़ोत्तरी हुई और तापमान 30 डिग्री को पार कर गया, जिससे लोगों के पसीने छूटने लगे थे। शुक्रवार को भी दिन का तापमान 28 डिग्री था, लेकिन सर्द हवाओं की वजह से लोगों को धूप में भी ठिठुरना पड़ रहा था। ऐसे में खान-पान के साथ ही रहन-सहन में आमजन को खासा ध्यान देना पड़ रहा है। बता दें कि तापमान में उतार-चढ़ाव से लोग मौसम से संतुलन नहीं बना पा रहे हैं और सर्दी-खांसी के साथ ही बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर इमरान खान ने बताया कि जिला अस्पताल में इन दिनों सर्दी, खांसी और बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या ज्यादा है जो बार-बार हो रहे मौसम परिवर्तन की वजह से है। इसके लिए लोगों को चाहिए कि वे मॉस्क पहने और अधिक से अधिक मात्रा में पानी पीएं। ज्यादा परेशानी होने पर वे अपने चिकित्सक से सलाह लें।

गाजा में जारी हैं इजरायली हमले

अब तक लगभग 28,000 फिलिस्तीनियों की हुई मौत

गाजा: गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या 28,000 से अधिक हो गई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान 117 फिलिस्तीनियों को मार डाला और इस दौरान 152 अन्य को घायल हुए हैं। इसके बाद सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 28,064 और घायलों की संख्या 67,611 तक पहुंच गई है।

सरकारी फ़िलिस्तीन टीवी के अनुसार इज़रायली सेना शुक्रवार रात से गाजा के दक्षिण में राफ़ा शहर पर हवाई हमले कर रही है, जिसमें कम से कम 28 लोग मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को हमास ब्रिगेड के अवशेषों को खत्म करने के लिए राफा में एक जमीनी अभियान की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। शहर को पहले इज़राइल की लगातार बमबारी से एक सुरक्षित क्षेत्र माना जाता था और इसने 23 लाख गाजा निवासियों में से आधे से अधिक को आश्रय प्रदान किया है, जो सुरक्षा के लिए भाग कर यहां आए हुए हैं।

पाकिस्तान में लगे भूकंप के जबरदस्त झटके, लोगों में दहशत

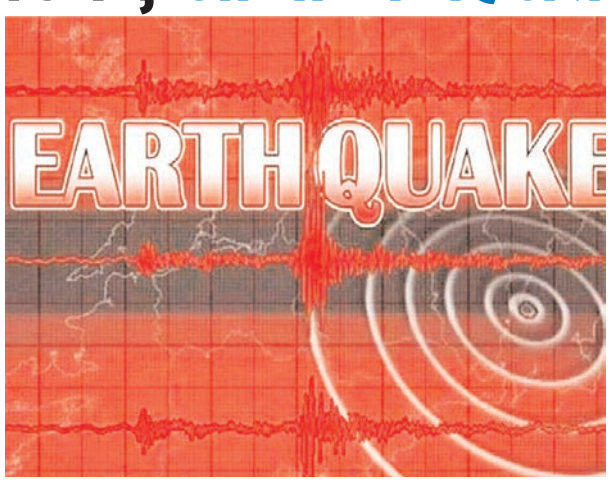

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के कई शहरों में शनिवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राजधानी इस्लामाबाद के साथ ही लाहौर और पेशावर में भी धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) के मुताबिक, शनिवार रात इस्लामाबाद और इसके आसपास के इलाकों में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। पीएमडी ने कहा कि भूकंप 142 किलोमीटर की गहराई पर आया और इसका केंद्र हिंदू कुश क्षेत्र था। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, पाकिस्तानी समय के मुताबिक भूकंप शनिवार रात 10:44 बजे आया। डॉन न्यूज ने बताया कि पेशावर, स्वात, चित्राल, लोअर डि और उनके आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बिहार में सियासी हलचल तेज

विश्वास मत तक तेजस्वी यादव के आवास पर रहेंगे राष्ट्रीय जनता दल विधायक

पटना: के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने शनिवार को कहा कि सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विश्वास मत तक पार्टी के सभी विधायक यहां तेजस्वी यादव के आवास पर रहेंगे। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में राजद के सबसे अधिक 79 विधायक हैं। मनोज झा ने देर शाम यह बयान तब दिया जब पार्टी के विधायक उपमुख्यमंत्री रहते तेजस्वी यादव को आवंटित सरकारी बंगले '5, देशरत्न मार्ग पर पहुंचे थे। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के पाला बदलकर राजग के साथ जाने के बाद तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री पद गंवा दिया है। राज्यसभा सदस्य झा ने कहा, न केवल हमारी पार्टी के विधायकों ने, बल्कि हमारे गठबंधन सहयोगियों ने भी 12 फरवरी तक तेजस्वी यादव के साथ रहने की इच्छा व्यक्त की है। हमारे लिए यह सिर्फ एक तारीख है, लेकिन यह निश्चित रूप से उन लोगों के लिए बहुत चिंताजनक है, जिन्होंने चुपके से सत्ता हथिया ली है। विधायक दोपहर में तेजस्वीयादव के घर पहुंचना शुरू हो गए थे, जहां बजट सत्र से पहले यादव ने दोपहर भोज का आयोजन किया था। शाम तक आगंतुक बंगले के अंदर थे, जिसके चारों ओर अतिरिक्त बैरिकेड्स लगाए जाने व कई विधायकों के निजी कर्मचारियों को दवाएं तथा अन्य सामान ले जाते हुए देखकर पत्रकारों के बीच हलचल तेज हो गई। पत्रकारों ने कहा कि सूत्रों ने उन्हें बताया था कि एक बैठक आयोजित की गई है जो काफी देर तक चलेगी। जैसे ही यह खबर फैली भाजपा व जदयू के नेताओं ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि राजद विश्वास मत से पहले टूट के डर से विधायकों को नजरबंद कर रही है।

दुनिया का सबसे खतरनाक पौधा हाथ लगाते ही हो सकती है मौत

नेशनल डेस्क = आज तक आपने यही सुना होगा कि पेड़ों से हमें ऑक्सीजन मिलती है, जिससे हमें सांस लेने में दिक्कत नहीं आती। कई पेड़ तो हमें औषधियां प्रदान करने का काम करता है। हर पेड़ पौधे की अपनी खास विशेषता होती है। लेकिन कुछ पेड़-पौधे ऐसे भी होते हैं जो इंसानों के लिए जहर से कम नहीं होते। ये लोगों को सीधे मौत देते हैं। इनमें से एक ऐसे ही पेड़ के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। जिसे छूने मात्र से लोगों को मरने के ख्याल आने लगते हैं। इस नाम से जाना जाता पौधा इस पौधे को जिम्पी नाम से जाना जाता है, ये मूल रूप से आस्ट्रेलिया में पाया जाता है। इस पौधे की पत्तियां दिल के आकार की होती हैं लेकिन ये दिखने में जितनी प्यारी होती हैं उतनी असल में नहीं होती। इन पत्तियों को छूना जानलेवा साबित हो सकता है। उन्हें छूते ही इंसान को इतना दर्द होता है कि वह मौत की भीख मांगने लगता है। इस पौधे की पत्ती को छूने से इंसान को बहुत तेज दर्द होते है जो उसके बर्दाश से बाहर हो सकती है। स्किन भी हो सकती है खराब आस्ट्रेलिया में उगने वाले इस पौधे के सुसाइड प्लांट भी कहा जाता है। जिसका साईंटिफिक नेम Dendrocnide moroides है। आमतौर पर लोग इस जिम्पी के नाम से अधिक जानते है। इस पौधे को छूते ही कांटे आपकी स्किन में अदंर तक धंस जाएंगे और उनसे इतना दर्द होता है कि इंसान मरने को मजबूर हो जाता है। इस कांटे से होने वाला दर्द तब तक रहता है जब तक आपके शरीर से ये कांटे बाहर न निकल जाएं। बात दें कि भारत में जिम्पी नाम का पौधा नहीं मिलता है। इसकी दर्द से छुटकारा पाने के लिए अभी तक कोई भी दवाई नहीं बनी है।

चुनावों में असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए लाया गया यूसीसी: हरीश रावत

देहरादून: उत्तराखंड विधानसभा द्वारा समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किए जाने की पृष्ठभूमि में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि देश में केंद्रीय स्तर पर यूसीसी लाने की योजना को ठंडे बस्ते में डाले जाने के बाद भाजपा इस विधेयक को उत्तराखंड में लाई ताकि आगामी आम चुनावों के दौरान महंगाई, बेरोजगारी जैसे असली मुद्दों से जनता का ध्यान हट जाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूसीसी पूरी तरह से राजनीतिक कारणों से आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए लाया गया है ताकि जनता का ध्यान बेरोजगारी, महंगाई, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महिला उत्पीड़न, भ्रष्टाचार जैसे असली मुद्दों से हटाया जा सके। उन्होंने कहा, ''यह केवल एक राजनीतिक शिगूफा है। रावत ने यहां कहा कि भाजपा ने पहले राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी लाने का प्रयास किया और मामले को राष्ट्रीय विधि आयोग को सौंप दिया। हरीश रावत ने यहां कहा, ''इसके बाद यूसीसी को केंद्रीय स्तर पर लाने की योजना ठप कर दी गई और इसे लाने के लिए उत्तराखंड को चुना गया। उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तर सहित कई जगहों पर आदिवासी समुदायों द्वारा अपनी परंपराओं में इसे हस्तक्षेप मानते हुए इसका विरोध किया गया जबकि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और दक्षिण भारत से भी इसके विरोध में स्वर उठे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समूहों की नाराजगी को समाप्त करने के लिए ही भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया। उत्तराखंड विधानसभा आजाद भारत के इतिहास में समान नागरिक संहिता का विधेयक पारित करने वाली पहली विधानसभा बन गई है। अब अन्य सभी विधिक प्रक्रिया और औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी, जिसके बाद उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। यूसीसी के लिए उत्तराखंड को चुने जाने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर रावत ने कहा कि यहां मुख्यमंत्री (पुष्कर सिंह धामी) यूसीसी लाने के लिए बहुत इच्छुक थे क्योंकि छोटा राज्य होने के कारण यहां अल्पसंख्यकों की संख्या तुलनात्मक रूप से कम होने के चलते यहां बहुत कम प्रतिक्रिया होने की आशंका थी।

मां ने गलती से सुलाने के लिए'ओवन' में रख दिया बच्चा, हो गई मौत

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में एक मां की लापरवाही दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। अमेरिका के मिजूरी में लापरवाह मां मारियाह थॉमस ने अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से 'ओवन (खाद्य सामग्री बनाने या उन्हें गर्म करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। हैरत की बात ये थी कि ओवन ऑन भी था। पुलिस ने जांच शुरू की तो महिला ने बताया कि रात को बच्चे को दूध पिलाने के बाद वह उसे पालने में सुलाने लगी लेकिन पता नहीं कैसे उसने गलती से बच्चे को ओवन में डाल दिया। सुबह जब उसी नींद खुली तो उसे ध्यान आया कि उसने तो गलती से बच्चे को ओवन में ही सुला दिया था। जैसे ही उसने ओवन खोलकर देखा तो बच्चा उसमें झुलस चुका था। तुरंत उसने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम में इस बात का खुलासा हुआ है कि बच्चे की मौत दम घुटने और जलने से हुई है.पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी।

हंगरी की राष्ट्रपति ने दोषी की सजा माफ करने की मांगी माफी, दिया इस्तीफा

बुडापेस्ट: बाल यौन उत्पीड़न मामले में संलिप्तता के दोषी की सजा माफ करने को लेकर आलोचनाओं में घिरी हंगरी की राष्ट्रपति कैटालिन नोवाक ने अपने पद से शनिवार को इस्तीफा दे दिया। नोवाक (46) ने टेलीविजन पर प्रसारित एक संदेश में कहा कि वह राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देंगी। वह 2022 से इस पद की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। नोवाक ने एक सरकारी बाल आश्रय में बाल यौन उत्पीड़न मामले से जुड़े सबूतों को छुपाने के एक दोषी की सजा अप्रैल 2023 में माफ कर दी थी। दोषी के खिलाफ यह आरोप साबित हुआ था कि वह पीड़ितों पर आश्रय स्थल के निदेशक पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप वापस लेने का दबाव बना रहा था। इस मामले में सबूत छुपाने की कोशिश करने के अपराध में दोषी को तीन से अधिक वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई थी। दोषी की सजा माफ करने के नोवाक के इस फैसले का खुलासा होने के बाद देशभर में इसकी व्यापक पैमाने पर आलोचना हुई। नोवाक ने इस निर्णय का खुलासा होने के एक सप्ताह बाद राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया। नोवाक ने दोषी की सजा माफ करने के फैसले को लेकर माफी मांगते हुए शनिवार को कहा, ''मैंने गलती की। उन्होंने कहा, ''मैं उन लोगों से माफी मांगती हूं जिन्हें मैंने ठेस पहुंचाई है और मैं उन पीड़ितों से भी क्षमा मांगती हूं जिन्हें लगा होगा कि मैं उनके लिए खड़ी नहीं हो रही हूं। नोवाक ने कहा, ''मैं राष्ट्र प्रमुख के रूप में आपको आज आखिरी बार संबोधित कर रही हूं। मैं देश के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देती हूं। नोवाक हंगरी की पहली महिला और सबसे युवा राष्ट्रपति थीं।

राम मंदिर ने बढ़ाई यूपी की शोभा, बना देश का नया आस्था का केंद्र, क्या यही है नए युग की शुरुआत?

नेशनल डेस्क= अयोध्या में 22 जनवरी को हुए राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान, इसके गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। कई सालों के इंतज़ार के बाद राम मंदिर का निर्माण एक सपने के पूरे होने जैसा है। अयोध्या के साथ अब उत्तर प्रदेश को भी आस्था के रुप में देखा जाता है। राम मंदिर का निर्माण देश की एकता, विकास और भक्ति की मिसाल है, इसके कारण उत्तर प्रदेश अब आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र भी बनता जा रहा है। शांति, धैर्य, सद्भाव का प्रतीक राम मंदिर पिछले साल में किए गए एक सर्वे के दौरान यूपी को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों के रुप में देखा जाने लगा है। इस दौरान वाराणसी, प्रयागराज, नैमिषारण्य, मथुरा और वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों के दर्शन कर वहां की धार्मिक-ऐतिहासिक विरासत को संजोने की कोशिश भी की गई है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन देश के लिए एकता का संदेश और आस्था की शक्ति को अपने साथ लाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में इस क्षण का सार बताते हुए कहा था, रामलला के लिए इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज की शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का प्रतीक है। राम मंदिर का निर्माण समाज के हर वर्ग के लिए उज्ज्वल भविष्य के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा का भी प्रतीक है। राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार बना राम मंदिर एक तरफ जहां राम मंदिर आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, तो वहीं दुसरी तरफ ये राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम भी कर रहा है। युपी के मुख्यमंत्री आर्थिक हमेशा से ही विकास के लिए धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर उतसाहित रहे हैं, उन्होंने कई मंचों पर अपने सुझाव साझा करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की आवाजाही से लाभान्वित होने के लिए तैयार है। आध्यात्मिक केंद्र के रूप में मजबूती

उत्तर प्रदेश अब देश के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अपनी दावेदारी को मजबूत कर रहा है। प्रदेश के हर शहर की अपनी एक अलग आस्था है। वाराणसी का शाश्वत आकर्षण, प्रयागराज का दिव्य संगम, नैमिषारण्य का प्राचीन ज्ञान, गोरखपुर का रहस्यमयी आकर्षण और मथुरा-वृंदावन में कृष्ण भक्ति, सामूहिक रूप से उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक तस्वीर को समृद्ध बनाती हैं। धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में राज्य के लिए मुख्यमंत्री का विजन महत्वाकांक्षी है, जिसका लक्ष्य इसकी विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569